श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 213

भिलाई, शनिवार 21 मई 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

जिला चिकित्साल के डॉक्टरों द्वारा ट्यूमर का किया गया सफल ऑपरेशन

दुर्ग। ग्राम चंदखुरी की तुलेश्वरी विगत एक वर्षों से पेट दर्द और मासिक धर्म के दौरान अति रक्त स्राव की समस्या से जुझ रही थी। उसने कई स्थानों पर अपना इलाज कराया था। परंतु उसे अपनी समस्या का निदान नहीं मिल रहा था। अंत में उसने जिला चिकित्सालय के अंतर्गत मातृत्व शिशु विभाग में इलाज करवाया, जांच में उसके पेट में ट्यूमर की पुष्टि हुई। पुष्टि के पश्चात आपरेशन के लिए निर्णय लिया गया। जिसमें सर्जन डॉ. बीआर साहू डॉ. स्मिता सिन्हा निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ बसंत चौरसिया एवं रूबी और स्टाफनर्स और सिविल सर्जन डॉक्टर वाई के शर्मा का विशेष योगदान रहा।

ए. एन.एम. पद की कौशल परीक्षा 26 मई को

दुर्ग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन दुर्ग के अंतर्गत ए.एन.एम. संविदा पद पर भर्ती हेतु दावा-आपत्ति निराकरण उपरांत, कौशल परीक्षा हेतु वरीयता सूची एवं कौशल परीक्षा की सूचना को जिले के वेबसाईड दुर्ग डॉट जीओवी डॉट इन में अपलोड कर दी गई है। कौशल परीक्षा दिनांक 26 मई 2022 को आयोजित की जाएगी। कौशल परीक्षा हेतु पात्र अभ्यार्थी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, प्रात: 10.30 बजे आई.पी. पी. - 6 पांच बिल्डिंग दुर्ग में उपस्थित रहें। विस्तृत जानकारी हेतु जिलें की वेबसाईट का अवलोकन किया जा सकता हैं ।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर सीएम बघेल ने किसानों को दिया तोहफा

1804.50 करोड़ रूपए की सौगात

राज्य के 26 लाख 68 हजार से अधिक किसान और कृषि मजदूर हुए लाभान्वित

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण कृषि भूमिहीन मजदूर न्याय योजना और गोधन न्याय योजना के अंतर्गत किया राशि का अंतरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आज छत्तीसगढ़ राज्य के किसानों, भूमिहीन कृषि मजदूरों, पशुपालकों एवं समूह से जुड़ी महिलाओं को बड़ी सौगात मिली। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम से राज्य के 26 लाख 68 हजार से अधिक किसानों, भूमिहीन कृषि मजदूरों, पशुपालकों और गौठानों से जुड़ी समूह की महिलाओं को 1804 करोड़ 50 लाख रुपए की राशि का सीधे उनके बैंक खातों में अंतरण किया। यह कार्यक्रम राजधानी रायपुर से लेकर सभी जिला मुख्यालयों में एक साथ आयोजित हुआ।

छत्तीसगढ़ सरकार की सबके लिए न्याय की मंशा के अनुरूप राज्य में संचालित राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण कृषि भूमिहीन मजदूर न्याय योजना और गोधन न्याय योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को राशि वितरण के इस कार्यक्रम में सभी जिलों से मंत्रिगण, संसदीय सचिव, विधायकगण, अन्य जनप्रतिनिधि, किसान, मजदूर, समूह की महिलाएं और ग्रामीण जन ऑनलाइन शामिल हुए।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत खरीफ वर्ष 2021-22 की पहली किस्त के रूप में किसानों को 1720 करोड़ 11 लाख रुपए, राजीव गांधी ग्रामीण कृषि भूमि मजदूर न्याय योजना के तहत 71 करोड़ 8 लाख रुपये तथा गोधन न्याय योजना के तहत पशुपालकों, गौठान समितियों और महिला समूहों को 13 करोड़ 31 लाख रुपए ऑनलाइन अंतरित किया।

यहां यह उल्लेखनीय है कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत बीते 2 सालों में राज्य के किसानों को 11 हजार 180 करोड़ 10 रुपए का भुगतान किया जा चुका है। आज 1720 करोड़ 11 लाख रुपए के भुगतान के बाद यह राशि 12 हजार 900 करोड़ 21 लाख रुपए हो गई है। राज्य के गन्ना उत्पादक कृषकों को अब तक प्रदाय की गई 122 करोड़ 24 लाख रुपए की राशि को शामिल करने के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 13 हजार 22 करोड़ 45 लाख रुपए हो गया है।

भूमिहीन परिवारों को प्रतिवर्ष 7 हजार की आर्थिक सहायता

इसी तरह राज्य के ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूरों को मदद देने के उद्देश्य से संचालित राजीव गांधी ग्रामीण कृषि भूमिहीन मजदूर न्याय योजना के तहत 21 मई को 3 लाख 55 हजार 402 हितग्राहियों को प्रथम किस्त के रूप में 71 करोड़ 8 लाख 4 हजार की राशि जारी की गई। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत अब भूमिहीन परिवारों को प्रति वर्ष 7 हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना के तहत 13 करोड़ 31 लाख रुपए की राशि का अंतरण गोबर विक्रेताओं, गौठान समितियों और महिला समूह के बैंक खातों में किया। इस राशि को मिलाकर कुल 250 करोड़ 40 लाख रुपए का भुगतान पूरा हो गया है, जिसमें गोबर विक्रेताओं को 140 करोड़ 71 लाख गौठान समितियों को 63 करोड़ 92 लाख रुपए तथा महिला समूहों को दी गई लाभांश राशि 45 करोड़ 77 लाख रुपए शामिल है।

मंत्री कवासी लखमा के बिगड़े बोल, हेमा मालिनी के गालों से कर डाली सड़कों की तुलना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भानपुरी। छत्तीसगढ़ के आबकारी मंत्री कवासी लखमा हमेशा अपने अलग बयानों से सुर्खियों में बने रहते हैं। वहीं अब मंत्री लखमा फिल्म अभिनेत्री और मथुरा से सांसद हेमा मालिनी पर बयान देकर सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल, इस बार उन्होंने नारायणपुर जिले में बनी सड़कों की तुलना हेमा मालिनी के गालों से कर डाली है।

मुख्यमंत्री भी थे मौजूद

आबकारी मंत्री लखमा ने कहा कि 15 साल पहले यहां कोई सड़क नहीं थी। हमने कई किलोमीटर की सड़कों का निर्माण निर्वाचन क्षेत्र में किया है। ये सड़कें बिल्कुल हेमा मालिनी के गालों की तरह हैं। इस दौरान, जब कवासी लखमा अपनी बात लोगों से कह रहे थे तो राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पीछे बैठे मुस्कुराते हुए दिखे।

दरअसल, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 20 मई को अपने भेंट मुलाकात अभियान के तहत बस्तर के भानपुरी में स्थानीय लोगों के साथ बातचीत की। उन्होंने लोगों के लिए कई सुविधाओं की भी घोषणा की।

वीडियो हो चुका है वायरल

इससे पहले लखमा का सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें वह कुछ लोगों के साथ स्टेज पर डांस करते नजर आ रहे हैं। लखमा स्टेज पर डांस कर रहे कलाकारों को देख खुद को रोक नहीं पाए और उसके बाद अपने अंदाज में डांस करने लगे।

नक्सलियों का उत्पात, रायपुर-देवभोग हाईवे को किया बंद, पुलिस कैंप खोलने का विरोध

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। गरियाबंद जिले में लंबे समय बाद माओवादियों ने एक बार फिर उत्पात मचाया है। जिले के आदिवासी ब्लॉक मैनपुर इलाके में नक्सलियों ने रायपुर-देवभोग मार्ग को 3 जगहों पर बाधित कर दिया। नक्सलियों ने पेड़ काटकर रायपुर-देवभोग नेशनल हाईवे नंबर 130 को बंद किया था। माओवादियों ने पुलिस कैंप खोलने का विरोध करते हुए बैनर लगाए हैं। माओवादियों की ओडिशा राज्य कमेटी ने पर्चे फेंके हैं। घटना के कुछ घंटे पहले रायपुर आईजी ओपी पाल, एसपी जेआर ठाकुर सहित पुलिस अधिकारियों ने नक्सल प्रभावित बिंद्रानवागढ़, कुल्हाड़ीघाट कैंप, शोभा इंदागांव, पायलीखंड, अमलीपद व देवभोग थानों का दौरा किया था।

मिली जानकारी के मुताबिक नक्सलियों ने शुक्रवार की देर रात रायपुर-देवभोग नेशनल हाईवे को बंद किया था। माओवादियों ने मैनपुर क्षेत्र के 15 किलोमीटर के दायरे में 3 जगहों पर सड़कों को बाधित किया है, जिसके चलते वाहन घंटों फंसे रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रास्ता क्लीयर कराया। नक्सलियों ने ब्लॉक मुख्यालय मैनपुर से करीब 12 किमी दूर राजापड़ाव, कोदोमाली और धुरवागुड़ी बुड़गेलटप्पा के बीच पेड़ों को काटकर गिरा दिया था। नक्सलियों ने भारी मात्रा में पर्चे फेंके हैं और पेड़ को गिराकर बैनर भी बांधे दिए थे। नक्सली उत्पात की वजह से वाहन चालकों में दहशत देखने को मिला।

बिलासपुर-भोपाल के बीच उड़ान पांच जून से, एयरपोर्ट अथोरिटी ऑफ इंडिया ने दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से मध्य प्रदेश के भोपाल तक जल्द ही हवाई सेवा शुरू होने जा रही है। 5 जून से यात्री एक सप्ताह में चार दिन बिलासा एयरपोर्ट से भोपाल के लिए हवाई सेवाओं का लाभ उठाएंगे। एयरपोर्ट अथोरिटी ऑफ इंडिया ने इसे हरी झंडी दिखा दी है। इसे लेकर बिलासा एयरपोर्ट प्रबंधन में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने इसे लेकर तैयारी शुरू कर दी है।

बिलासा एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय मंजूरी मिल गई है और इसे लेकर शेड्यूल भी जारी किया गया है। जिसके तहत 3 जून को भोपाल से प्लेन उडान भरेगा और बिलासपुर पहुंचेगा। एक दिन रुकने के बाद 5 जून को बिलासा एयरपोर्ट से प्लेन रवाना भोपाल के लिए रवाना होगा।

यात्री एक सप्ताह में चार दिन बिलासपुर से भोपाल तक का सफर कर पाएंगे। सोमवार, मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को बिलासपुर से भोपाल तक फ्लाइट उडान भरेगी। जानकारी के मुताबिक, सुबह 11.30 बजे भोपाल के लिए बिलासा एयरपोर्ट से प्लेन रवाना होगा। विमानन कंपनी और केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय ने इसे मंजूरी दे दी है।

परसा कोल ब्लॉक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

सड़क पर उतरे ग्रामीणों ने कहा- राहुल ने नहीं निभाया वादा

नेशनल हाईवे 6 घंटे जाम, रेलवे ट्रैक पर बैठने से कोयला परिवहन भी ठप

अंबिकापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य क्षेत्र में राजस्थान को परसा कोल ब्लॉक आबंटन का विरोध तेज हो गया है। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के आह्वान पर प्रदेशभर के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं के साथ प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीण सड़क पर उतर आए। आक्रोशित लोगों ने करीब 6 घंटे तक अंबिकापुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। सालही के समीप कोयला परिवहन के लिए बिछाए गए रेलवे ट्रैक में बैठ गए, जिससे कोल परिवहन ठप हो गया।

आंदोलन में पहुंचे पूर्व सांसद और छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश अध्यक्ष सोहन पोटाई ने कहा कि पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में रुढ़ि प्रथा प्रभावशील होता है, लेकिन भूपेश सरकार ने ग्रामीणों की भावनाओं के विपरीत फर्जी ग्रामसभा कर परसा कोल ब्लॉक आवंटन को मंजूरी दी है। 1,250 हेक्टेयर जमीन इसके दायरे में आ रही हैं। इससे कई गांव के लोगों को विस्थापन का दर्द झेलना पड़ेगा। लाखों पेड़ काटे जाएंगे। जल, जंगल, जमीन को बचाने ग्रामीण 2 मार्च से प्रभावित क्षेत्र के ग्राम हरिहरपुर में शांतिपूर्वक धरना दे रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने में लगे हैं। परसा साइडिंग से रोज करीब 7 रैक कोल परिवहन होता है। शुक्रवार को आंदोलन के कारण 3 रैक कोल परिवहन नहीं हो सका।

रेलवे ट्रैक और सड़क पर बैठे ग्रामीण

शासन द्वारा मांगों पर सुनवाई नहीं करने से आक्रोशित ग्रामीणों ने आम छत्तीसगढ़वासियों से एकजुट होकर आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि शुक्रवार का आंदोलन सांकेतिक है। यदि इसके बाद भी शासन-प्रशासन द्वारा परसा कोल ब्लॉक के आवंटन को रद्द नहीं किया गया तो और उग्र आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाओं की भी सहभागिता रही। हजारों की संख्या में लोग राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे ट्रैक पर उतर आए हैं। इससे 6 घंटे आवागमन पूरी तरीके से बाधित रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात रहा।

उजड़ने नहीं दिया जाएगा जंगल

आंदोलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार नहीं बनी थी, तब नजदीक के गांव मदनपुर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आए थे। उन्होंने वादा किया था कि वे हसदेव अरण्य क्षेत्र में कोल ब्लॉक आवंटन नहीं होने देंगे। यदि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनी तो किसी भी कीमत पर जंगल उजड़ने नहीं दिया जाएगा। आज छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद भी कोयला खनन के लिए फर्जी तरीके से अनुमति दे दी गई है। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक कोल ब्लॉक आवंटन को रद्द नहीं किया जाता तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

चित्रकोट जलप्रपात में युवती ने लगाई छलांग, गोताखोर तलाश रहे, सुरक्षा में चूक से पर्यटक नाराज

बस्तर। बस्तर जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात में शुक्रवार दोपहर एक युवती ने छलांग लगा दी। युवती के आत्महत्या करने के दौरान पूरी घटना को पास मौजूद एक पर्यटक ने अपने मोबाइल में कैप्चर कर लिया है। कुछ ही देर में यह वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल होने लगा। जलप्रताप में छलांग लगाने वाली युवती कहां की है। उन्होंने छलांग क्यों लगाई इसका पता नहीं चल पाया है। घटना की जानकारी मिलते ही जलप्रपात में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

बीजेपी की बैठक में शामिल हुए छत्तीसगढ़ के नेता, पीएम मोदी का संदेश- परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ करना है संघर्ष

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक हो रही है, जिसमें छत्तीसगढ़ भाजपा के दिग्गज नेता भी पहुंचे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व ष्टरू डॉ. रमन सिंह, भाजपा की प्रदेश प्रभारी डी पुरंदेश्वरी, प्रदेश अध्यक्ष विष्णु देव साय और भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय बैठक में शामिल हुए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए बड़ी नसीहत भी दी। आजादी के बाद देश को वंशवाद और परिवारवाद ने कितना नुकसान किया है। परिवारवादी पार्टियों ने देश में भ्रष्टचार, धांधली, भाई-भतीजावाद को आधार बनाकर देश का बहुमूल्य समय बर्बाद कर दिया। वंशवाद और परिवारवाद के कीचड़ में हमने कमल खिलाया है। हमारा मंत्र सबका साथ, सबका विकास है और इसी को आगे बढ़ाना है।

संपादकीय

कब तक फर्जी मुठभेड़

पुलिस पर फिर न सिर्फ सवाल उठे हैं, बल्कि दोषी पुलिस वालों को सजा देने की सिफारिश भी हुई है। हैदराबाद के कुख्यात मुठभेड़ मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित पैनल ने अपनी रिपोर्ट में साफ बताया है कि हैदराबाद में हुई मुठभेड़ फर्जी थी और दोषी पुलिस वालों पर हत्या का मामला चलना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के पैनल की यह सिफारिश देश के लिए बहुत मायने रखती है। साल 2019 में हैदराबाद में एक महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के चार आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराने का दावा किया था। पुलिस पर तब भी सवाल उठे थे। पुलिस आरोपियों को घटनास्थल पर ले गई थी, लेकिन अचानक ऐसी क्या बात हुई कि चारों आरोपियों को मारना पड़ा? यह भी गौर करने की बात है कि तब ऐसे पुलिस वालों का आम लोगों ने किन्हीं नायकों की तरह सम्मान किया था। पुलिस वालों की शान में फूल बरसाए गए थे और यह भी कहा गया था कि न्याय ऐसे ही होना चाहिए। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के पैनल ने जांच करके दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया है। अब आगे सुनवाई में पैनल की रिपोर्ट देखने के बाद अंतिम फैसला सुप्रीम कोर्ट को लेना है।

> हिरासत या मुठभेड़ में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का मारा जाना दुखद ही नहीं, शर्मनाक भी है। शासन-प्रशासन की वीरता या सांविधानिकता इसमें है कि उनके कृत्य पूर्ण रूप से लोकहित में हों। पुलिस को अनुशासित और दुनिया में गौरववान बनाना राष्ट्र के आर्थिक विकास जितना ही अनिवार्य कार्य है।

यह मामला इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि इस कथित मुठभेड़ में दस पुलिसकर्मियों को सजा हो सकती है। दस पुलिस वालों के खिलाफ हत्या का मामला चलेगा। यदि इतनी बड़ी संख्या में पुलिस वालों को एक साथ सजा हुई, तो यह उस भारत के लिए एक बड़ी घटना हो जाएगी, जहां पुलिस सुधार की रफ्तार बहुत ही धीमी है। अनेक फटकार और शिकायतों के बावजूद पुलिस के कामकाज में यथोचित सुधार नहीं हुआ है। पैनल ने साफ कर दिया है कि पुलिस की ओर से दावा किया गया था कि रेप और हत्या के आरोपियों ने उनसे पिस्तौल छीन ली थी और भागने की कोशिश की थी, लेकिन पुलिस अपने दावे को साबित नहीं कर पाई। चार निहत्थे आरोपियों को पुलिस ने घटनास्थल पर ले जाकर क्या बंधन मुक्त कर दिया था? क्या चारों आरोपियों को पहले भागने का मौका दिया गया? क्या पैरों में गोली मारने के बजाय चारों को जान से मारना ही एकमात्र विकल्प था? क्या सीधे सजा देना पुलिस का काम है? हैदराबाद वाले मामले में पुलिस ने अपनी सीमाओं का उल्लंघन किया है।

आम लोगों को भी ऐसे मामलों से सबक लेना चाहिए। पुलिस को सजा देने की खुली छूट नहीं दी जा सकती। लोग अगर निरंकुश पुलिस का पक्ष लेंगे, तो स्वयं अपना ही अहित करेंगे। पुलिस मुठभेड़ हमेशा से ही सवालों के घेरे में रहे हैं, तर्क और न्याय की कसौटी पर उन्हें कसना आसान नहीं है। गत फरवरी में ही सरकार ने लोकसभा में बताया था कि पिछले पांच वर्षों में देश में कुल 655 पुलिस मुठभेड़-हत्याएं हुई हैं, जिसमें छत्तीसगढ़ में ऐसे मामलों की संख्या सबसे अधिक 191 दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश में 117, असम में 50, झारखंड में 49, ओडिशा में 36 ऐसी घटनाएं हुई हैं। इसी अवधि के दौरान बिहार में मुठभेड़ की 22 घटनाएं हुई हैं। क्या कोई जानकार या संवेदनशील पुलिस अधिकारी यह दावा कर सकता है कि ये सभी मुठभेड़ की घटनाएं सही होंगी? हिरासत या मुठभेड़ में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का मारा जाना दुखद ही नहीं, शर्मनाक भी है। शासन-प्रशासन की वीरता या सांविधानिकता इसमें है कि उनके कृत्य पूर्ण रूप से लोकहित में हों। पुलिस को अनुशासित और दुनिया में गौरववान बनाना राष्ट्र के आर्थिक विकास जितना ही अनिवार्य कार्य है।

कांग्रेस का नव चिंतन

राहुल गांधी का यह स्वीकार करना अहम है कि कांग्रेस का जनता का जनता से संवाद टूट गया है। उनकी दूसरी यह बात महत्त्वपूर्ण है कि भाजपा के खिलाफ संघर्ष में अब कोई शॉर्ट कट नहीं है।

कांग्रेस ने उदयपुर में अपने चिंतन शिविर में अपने और देश के वर्तमान यथार्थ को स्वीकार करने का साहस दिखाया- यह कहा जा सकता है। इसके अनुरूप उसने अपनी रणनीति और कार्यनीति को ढालने का फैसला किया है- यह भी वहां स्वीकार किए गए नव संकल्प घोषणा पत्र से स्पष्ट है। असल में क्या होगा, यह अभी नहीं कहा जा सकता। लेकिन कुछ बातों ने ध्यान खींचा। मसलन, राहुल गांधी का यह स्वीकार करना कि कांग्रेस का जनता का जनता से संवाद और संपर्क टूट गया है। उनकी दूसरी यह बात महत्त्वपूर्ण है कि भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरह सत्ता के सभी केंद्रों पर अपनी पकड़ बना ली है, अब उसके खिलाफ संघर्ष में कोई शॉर्ट कट नहीं है। दरअसल, संघर्ष की बात कहना ही अपने-आप में अहम है। इससे बात चुनावी रणनीति और जोड़-तोड़ से आगे जाती है।

> राष्ट्रहित उनके चिंतन के केन्द्र में था। सर्वधर्म सद्भाव उनके मानस में रचा-बसा था और इस ध्येय वाक्य को ध्यान में रखते हुए भूपेश बघेल सरकार सवा तीन सालों में गांव-गरीब और किसानों की चिंता ही नहीं की है बल्कि सशक्त खेती-समृद्ध किसान की दिशा में और न्याय के पथ पर नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने में निरंतर आगे भी बढ़ रहे हैं।

न्याय के पथ पर नवा गढ़ता छत्तीसगढ़, सशक्त खेती-समृद्ध किसान की दिशा में

राजीव गाँधी किसान न्याय योजना कारगर साबित

एल.डी. मानिकपुरी

देश के पूर्व प्रधानमंत्री व भारतरत्न राजीव गाँधी जी का वह कथन आज उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर याद आ रहा है जिसमें उन्होंने कहा था कि-''यदि किसान कमजोर हो जाते हैं तो देश आत्मनिर्भरता खो देता है लेकिन अगर वह मज़बूत है तो देश की स्वतंत्रता भी मज़बूत हो जाती है। अगर हम कृषि की प्रगति को बरकरार नहीं रख पाए तो हम देश से गरीबी नहीं मिटा पाएंगे। इसीलिए किसानों की आर्थिक स्थिति और जीवन स्तर में सुधार लाना होगा. छत्तीसगढ़ की 80 प्रतिशत आबादी कृषि कार्य से जुड़ी है. प्रदेश के इतिहास में पहलीबार ठेठ किसान व छत्तीसगढ़ के करीब तीन करोड़ आबादी के मुखिया भूपेश बघेल है.'' लोकाचार में कहा जाता है कि गरीब का दर्द एक गरीब समझ सकता है या उस गरीबी से निकला इंसान ही बेहतर समझ सकता है. इसी तरह किसानों की तकलीफ परेशानी और समस्या को एक किसान ही समझ सकता है. यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य की बात है कि किसानी की बारीकी और किसानों की दशा के बारे में भूपेश बघेल जैसे किसान पुत्र से बेहतर कौन समझ सकता है. इस तरह श्री राजीव गांधी के उक्त विचारों को सूत्र के रूप में प्रदेश सरकार ने अपनाया।

17 दिसम्बर 2018 छत्तीसगढ़ के इतिहास में एक यादगार तिथि बन चुका है. मुख्यमंत्री के पद की शपथ लेते ही पहली मंत्रिमंडल की बैठक में किसानों के अल्पकालीन कर्ज माफ करने का निर्णय लिया. अपने वादे के पक्के मुख्यमंत्री बघेल ने प्रदेश के किसानों से 2500 रुपये प्रति किवंटल की दर से धान खरीदी करने के निर्णय में कुछ तकनीकी बधाओं को पार करते हुए किसान मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में एक सुगम रास्ता भी निकाला. कृषि में पर्याप्त निवेश एवं कास्त लागत में राहत देने के लिए कृषि आदान सहायता हेतु 21 मई 2020 को श्री राजीव गाँधी की पुण्यतिथि को 'राजीव गाँधी किसान न्याय योजना' की शुरुआत की. योजना के तहत धान, मक्का, सोयाबीन, मूंगफल्ली, तिल, अरहर, मूंग, उड़द, कुलथी, रामतिल कोदो कुटकी व गन्ना जैसी फसलों को शामिल किया. प्रदेश के किसानों ने अपने खून-पसीना सींचकर धान पैदा किए थे, उन्हें अपनी मेहनत के वाजिब दाम की पहली किस्त 21 मई 2020 को 19 लाख किसानों के खाते में 1500 करोड़ रुपए प्राप्त हुए. इस तरह किसानो को न्याय का पहला सूरज देखने को मिला और चार किस्तों में किसानों के खाते में 5702 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया. इतना ही नहीं जब देश व प्रदेश में कोरोना ने हाहाकार मचाया और प्रदेश में लाकडाउन के दौरान के संवेदनशील मुख्यमंत्री बघेल ने किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु जिलावार हेल्प लाइन नंबर जारी करने के लिए अपने मातहतों को निर्देश जारी किया. राजीव गांधी किसान न्याय योजना का विस्तार करते हुए धान, मक्का, गन्ना किसानों को 9 हजार रूपए प्रति एकड़ हर साल अनुदान राशि देने के फैसले के साथ ही खरीफ वर्ष 2020-21 में जिस रकबे से किसानों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान बेचा था, यदि वे धान के बदले कोदो-कुटकी, रागी, गन्ना मक्का, दलहन-तिलहन, सुगंधित धान, अन्य फोर्टिफाइड

धान, केला-पपीता सहित अन्य उद्यानिकी फसल लगाते हैं अथवा वृक्षारोपण करते हैं तो उन्हें तीन वर्षों तक प्रति वर्ष 10 हजार रूपए देने के निर्णय से किसानों के चेहरे में मुस्कान बिखेर दिया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रति भरोसा इस कदर बढ़ा कि पंजीयन कराने वाले किसानों की संख्या में करीब दो लाख और पंजीकृत रकबे में सवा दो लाख हेक्टेयर से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे इस बार धान के रकबे का पंजीकृत आंकड़ा 29 लाख हेक्टेयर व किसानों की संख्या 22 लाख 66 हजार पहुंच गई है और 98 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का नया कीर्तिमान गढ़ा गया। श्री राजीव गांधी की 31वीं पुण्य तिथि के अवसर पर 'राजीव गांधी किसान न्याय योजना' के तहत 22 लाख 87 हजार 882 पंजीकृत किसानों को 1720 करोड़ रुपए से अधिक राशि सीधा किसानों के खाते में डाली जाएगी। वर्ष 2019 में 18 लाख 43 हजार से अधिक किसानों को 5627 करोड़ रुपए तथा वर्ष 2020 में 20 लाख 59 हजार किसानों को 5 हजार 553 करोड़ रुपए आदान सहायता दी गई थी। इस तरह राजीव गांधी किसान न्याय योजना प्रारंभ से अब तक 12 हजार 900 करोड़ रूपए से ज्यादा की आदान राशि प्रदेश के किसान भाई-बहनों के खाते में डाले गए हैं। न्याय के पथ पर नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने के संकल्प के साथ आगे बढ़ते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 'राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना' के तहत वर्ष 2022-23 की प्रथम किस्त के रूप में 3 लाख 55 हजार 402 हितग्राहियों के खाते में 71 करोड़ 8 लाख रुपए से अधिक की राशि का वितरण भी आज किया जा रहा है। यह एक ऐसी योजना है, जो प्रदेश में रहने वाले ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर को आर्थिक रूप से सक्षम और सशक्त बनाने की दिशा ठोस निर्णय है।

गोधन न्याय योजना के तहत जहां रोजगार के नित-नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं, वहीं जैविक खेती को भी बढ़ावा मिल रहा है। गोबर विक्रेताओं, गौठान समितियों तथा महिला समूहों को 232 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। इस महत्वाकांक्षी योजना की प्रशंसा एक तरफ जहां लोकसभा में कृषि मामलों की स्थायी समिति ने सदन में प्रस्तुत अपनी रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना की सराहना करते हुए केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि किसानों से मवेशियों के गोबर खरीद की ऐसी ही योजना पूरे देश के लिए शुरु की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर नीति आयोग ने भी सराहा है। योजना की सफलता का ही सुफल है कि आज देश के कई राज्य अब इसे अपनाने पर जोर दे रहे हैं। कृषि में विविधता आए, जिससे किसान आर्थिक रूप से मजबूत हों। इसी नीति पर राज्य सरकार काम कर रही है। सरकार की नीतियों का ही यह असर है कि गांवों से शहरों और दूसरे राज्यों में होने वाला पलायन रुका है। पढ़े-लिखे युवा भी अब गांव और खेती-किसानी की ओर लौट रहे हैं। यही वजह है कि धान का केवल रकबा ही नहीं बढ़ा है बल्कि खेती करने वाले किसानों की संख्या भी बढ़ी है। राज्य में दूसरी फसलों का भी रकबा बढ़ रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न राजीव गांधी एक ऐसे कर्मयोगी रहे हैं, जिनकी जीवन यात्रा में मानवता, सहजता, सरलता, निष्छलता के कई मुकाम रहे हैं। राष्ट्रहित उनके चिंतन के केन्द्र में था। सर्वधर्म सद्भाव उनके मानस में रचा-बसा था और इस ध्येय वाक्य को ध्यान में रखते हुए भूपेश बघेल सरकार सवा तीन सालों में गांव-गरीब और किसानों की चिंता ही नहीं की है बल्कि सशक्त खेती-समृद्ध किसान की दिशा में और न्याय के पथ पर नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने में निरंतर आगे भी बढ़ रहे हैं।

लेखक- सहायक सूचना अधिकारी, जनसम्पर्क

संजय कुमार, प्रो. व पूर्व निदेशक, सीएसडीएस

चुनाव जीतना सरकार के कामकाज पर मुहर लगना नहीं

चुनाव में सत्तारूढ़ दल की वापसी का अमूमन यही अर्थ लगाया जाता है कि उसके कामकाज से जनता खुश है। इसमें लोगों की उन समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जाता, जो शासकीय कामकाज से जुड़ी होती हैं। इतिहास भी ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है, जिसमें अच्छे कामकाज से सत्तारूढ़ पार्टी फिर से जीत गई और खराब प्रदर्शन के कारण उसे सत्ता से बाहर होना पड़ा। मगर इस साल की शुरुआत में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव बिल्कुल अलग तस्वीर दिखाते हैं। महंगाई और बेरोजगारी पर लोगों की नाराजगी के बावजूद भाजपा ने सभी चार राज्यों में सत्ता बरकरार रखी। यह एक नई प्रवृत्ति है।

जिन पांच राज्यों में चुनाव हुए, उनमें से एकमात्र पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी, जहां अब आम आदमी पार्टी सत्ता में है। भाजपा ने शेष चारों राज्यों में ठोस जीत दर्ज की, हालांकि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में उसे कुछ सीटों का नुकसान हुआ और गोवा व मणिपुर में कुछ फायदा। उत्तर प्रदेश में उसकी सीटें बेशक कम हुईं, लेकिन 2017 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले उसके मत-प्रतिशत में वृद्धि हुई है। यह संकेत है कि पिछले पांच वर्षों में पार्टी का समर्थन बढ़ा है।

मणिपुर में भी भारतीय जनता पार्टी के वोट शेयर बढ़े हैं, लेकिन उत्तराखंड और गोवा में इसमें मामूली गिरावट आई है।

मगर ये नतीजे उस धारणा को पुष्ट नहीं कर सकते, जो सरकार की फिर से वापसी से जुड़ी है। सीएसडीएस और लोकनीति के चुनाव-बाद किए गए सर्वे बताते हैं कि लोगों में बेरोजगारी को लेकर काफी ज्यादा नाराजगी है। सर्वे के निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि उन सभी पांच राज्यों में, जहां हाल ही में चुनाव हुए थे, एक आम सोच यही है कि लोग बेरोजगारी और नौकरी की कमी जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। सीएमआईई के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में बेरोजगारी दर लंबे अरसे तक (1991 से 2019 तक) करीब 5.5 फीसदी बनी रही, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में बेरोजगारी बढ़ गई है। सीएमआईई के मुताबिक, बीती 17 मई को बेरोजगारी दर 7.3 फीसदी थी, इसलिए लोकनीति-सीएसडीएस सर्वे भी भारत में नौकरी की समस्या को लेकर बनी आम समझ को दिखाता है। सभी पांच राज्यों में एक विशाल आबादी (80 फीसदी से अधिक) मानती है कि बेरोजगारी बढ़ी है, जबकि बहुत कम लोग इससे असहमत दिखे।

सर्वे के नतीजे इस बात पर भी मुहर लगाते हैं कि लोग खुदरा महंगाई के चलते दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। आज आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं, विशेषकर पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और खाद्य पदार्थों के दाम आसमान पर हैं। एक हालिया रिपोर्ट देश भर में गेहूं की कीमतों में इजाफे की पुष्टि कर रही है। साल 2010 में आटा 15 रुपये प्रति किलो बिक रहा था, जबकि उसकी कीमत अप्रैल, 2022 में बढ़कर 33 रुपये प्रति किलो हो गई। लोकनीति-सीएसडीएस के सर्वे में भी 80 फीसदी से अधिक लोग मूल्य-वृद्धि से हलकान दिखे और यह मानते हैं कि पिछले पांच वर्षों में कीमतें बढ़ी हैं।

पहले सरकारों के प्रदर्शन पर लोगों की राय, विशेष तौर पर रोजाना की उनकी चिंताओं का सीधा प्रभाव पड़ता था। आर्थिक मुद्दों पर नाकामी तो सरकार को चुनावों में ले डूबती थी, लेकिन अब यह प्रवृत्ति सच नहीं है। लोगों ने महंगाई के बावजूद सत्ताधारी दल को फिर से चुना। 2022 के चुनाव कृषि कानूनों के खिलाफ साल भर से अधिक लंबे चले किसान आंदोलन की पृष्ठभूमि में भी हुए थे। किसान न सिर्फ इन कानूनों के खिलाफ थे, बल्कि विरोध-प्रदर्शन से निपटने के सरकारी तरीके भी उनको रास नहीं आए। लोकनीति-सीएसडीएस सर्वे भी बताते हैं कि किसान ही नहीं, विभिन्न क्षेत्रों के लोग इससे सहमत हैं कि पांच वर्षों में किसानों की स्थिति खराब हुई है। उत्तर प्रदेश में तो 42 फीसदी आबादी इस सोच की समर्थक है, जबकि 24 फीसदी का रुख अलग। गोवा कृषि प्रधान राज्य नहीं है, इसलिए वहां किसानों की चिंता कम दिखी, लेकिन उत्तराखंड और पंजाब में भी एक बड़ी आबादी किसानों की दशा को लेकर परेशान है। फिर भी, इन चार राज्यों में भाजपा की फिर से वापसी हुई। और, ऐसा तब हुआ, जब महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की दशा को लेकर लोग सरकार से नाराज हैं। तो क्या वाकई चुनाव सरकार के कामकाज का आईना होता है? सुबूत तो इसकी पुष्टि नहीं करते।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

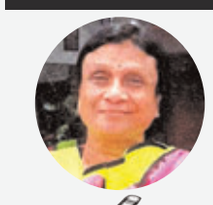

क्यूं छोटी-छोटी बातों को दिल पर लेते हो? अपनी गरिमा तो देखो सबको माफ कर दोना।

-अंजली जैन
7024460938

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरूम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

NJ सोने, चांदी के जेवर के विक्रेता
सांखला नवीन ज्वेलर्स
जवाहर चौक, दुर्ग

नमन ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
9926278943
9406434001
पताः- आदर्श नगर, पेट्रोल पंप के पास, दुर्ग (छ.ग.)

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

सुशील म्युजिकल
इलेक्ट्रीक शाही बेन्जो के निर्माता
सभी प्रकार के संगीत वाद्य यंत्र के विक्रेता
स्टेशन रोड, फरिश्ता काम्प्लेक्स के पास, दुर्ग (छ.ग.) - 491001
मो.-9993626855, फो.-07884010027
e-mail-sushilmusical@gmail.com

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अमलेश्वर में आज से हुआ शुरू

रायपुर। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तहत कार्य करने वाले राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के क्षेत्रीय निदेशालय (मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़), भोपाल द्वारा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के सहयोग से रामचंद्र मिशन आश्रम, अमलेश्वर में 21 से 27 मई, 2022 तक सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है । शिविर का उद्घाटन, 21 मई, 2022 (शनिवार) को अपरान्ह: 4.00 बजे, छत्तीसगढ़ की राज्यपाल, सुश्री अनुसुइया उइके करेंगी । इस सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में 12 राज्यों- गुजरात, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलांगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ के 210 चयनित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं दल नायक भाग ले रहे हैं । शिविर के दौरान सांस्कृतिक गतिविधियाँ - पारंपरिक लोक-नृत्य,गायन,संगीत, चित्रकला, हस्तशिल्प और साहित्यिक गतिविधियों से संबंधित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित होंगी। शिविर में शैक्षणिक गतिविधियों के अन्तर्गत एक भारत श्रेष्ठ भारत, आत्म निर्भर भारत, लोकल फॉर वोकल, स्वच्छ भारत अभियान, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय एकता जैसे विभिन्न विषयों पर विभिन्न प्रतियोगिताएं - वाद विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर, स्लोगन लेखन, निबंध लेखन प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी ।

प्रयास के विद्यार्थियों ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा में लहराया परचम

रायपुर। कांकेर के छात्र कुणाल ग्वाल ने प्रयास विद्यालयों में किया टॉपप्रयास आवासीय विद्यालयों को बच्चों ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2021-22 में आयोजित कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। परीक्षा में प्रदेश के नक्सल प्रभावित जिलों और अनुसूचित क्षेत्र के प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने कोरोना संक्रमण काल के कारण शिक्षा बाधित रहने के बावजूद 96 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है। उत्तीर्ण विद्यार्थियों में 87 प्रतिशत प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं, वहीं 8 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर उपलब्धि हासिल की हैं। अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, सचिव डी.डी. सिंह और आयुक्त श्रीमती शम्मी आबिदी ने विद्यार्थियों के इस उपलब्धि पर सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। प्रयास आवासीय विद्यालय कांकेर के छात्र कुणाल ग्वाल ने सर्वाधिक 93.7 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राज्य के सभी प्रयास विद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विशेष उल्लेखनीय है कि छात्र कुणाल ग्वाल ने गणित विषय में 100 में 100 अंक प्राप्त किए हैं। गौरतलब है कि प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चयन होता है। इन विद्यालयों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट शिक्षा की व्यवस्था है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की उत्कृष्ट शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश करने के लिए सक्षम बनाना है। इन विद्यालयों से अब तक 97 विद्यार्थी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी, 261 विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान एवं 44 विद्यार्थियों में राज्य के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त कर विशेष उपलब्धि हासिल की है। इसके अलावा सी.ए., सी.एम.ए में 29 और क्लेट में 3 विद्यार्थी प्रवेश प्राप्त करने में सफल रहे हैं।

जनता को उनके समस्या का समाधान शीघ्र मिले-ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासन व प्रशासन का लगातार संपर्क जनता के साथ ही बना रहे और उनकी समस्याओं का निराकरण लगातार होता रहे, इसके लिए विकासखंड दुर्ग में ग्राम पंचायत अंजोरा (ख), अंडा व पुरई में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया था। तीनों ग्राम पंचायतों में कुल 378 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें 322 निराकृत हुए और 56 लंबित हैं। शिविर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सबसे ज्यादा 294 प्रकरण, राजस्व विभाग के 59 प्रकरण नागरिकों ने निराकरण हेतु आवेदन किया।

शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि एक बड़े जनसमुदाय को शिविर का लाभ मिल सके, इसलिए शिविर का आयोजन तीन ग्राम पंचायतों में क्लस्टर बना कर किया गया है। इन शिविर को आयोजित करने का उद्देश्य जनता को उनके समस्या से शीघ्र निदान दिलाना और अधिकारियों के साथ उनका सीधा संपर्क स्थापित करना है। शासन और प्रशासन का कार्य नागरिकों को अपना सेवा प्रदान करना होता है।

इसलिए यह आवश्यक है कि जनसमस्या निवारण शिविर में आए हुए आवेदनों को अधिकारी गंभीरता से लें और उनका शीघ्र निराकरण करे ताकि नागरिकों के अंदर हमारे प्रति विश्वास कायम रहे। इस अवसर पर मंत्री जी स्वयं विभागों द्वारा बनाए गए स्टांलों पर गए और आवेदन की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पाया कि ग्रामीण राजस्व, बिजली और बुनियादी समस्याओं को लेकर शिविर में पहुंचे थे।

उन्होंने अधिकारियों को इन समस्याओं को प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के लिए निर्देशित किया और अधिकारियों से जनता के प्रति अपने व्यवहार को नरम रखने की सलाह भी दी। कई बार ऐसी स्थिति निर्मित होती है कि आवेदक को अपनी समस्या के बारे में तो पता होता है परंतु उसके लिए कैसे और किस विभाग को आवेदन किया जाए इसकी जानकारी नहीं होती ऐसी स्थिति में सरकारी अमले के लिए आवश्यक है कि वह आवेदक को गाइड भी करे ताकि आवेदक की समस्या का निदान हो सके। आम नागरिकों के समस्याओं के निदान के लिए शासन द्वारा आने वाले समय में भी ऐसे शिविरों का आयोजन सतत् किया जाएगा, ऐसा मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने अपने व्यक्तव्य में कहा।

प्रदूषण से निजात पाने के लिए भी आया था आवेदन- ग्राम पंचायत रसमड़ा जो कि औद्योगिक क्षेत्र में आता है वहां के ग्रामवासियों के द्वारा प्रदूषण की समस्या को लेकर शिविर में आवेदन लगाया गया था। ग्रामवासियों का कहना था कि रसमड़ा में लगे फैक्ट्रियों से आसपास के वातावरण पर दुषप्रभाव पड़ रहा है जो कि उनके सामान्य जीवन में भी प्रभाव डाल रहा है इसलिए वह चाहते हैं कि शासन और प्रशासन इस संबंध में उचित कार्यवाही करें। कलेक्टर ने मामले का संज्ञान लेकर पर्यावरण विभाग को तथ्यों की जानकारी एकत्रित करने और विधिपूर्ण कार्यवाई करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को उनके मागदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया और अधिकारियों से अपेक्षा की, कि शिविर में आए आवेदनों का निराकरण पूर्ण रूप से हो। एक ही स्थान पर सभी समस्याओं का निराकण मिलने पर स्थानीय लोगों का शिविर के प्रति रूझान सकारात्क रहा। शिविर में विभिन्न विभागों के मांगो एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से प्रकरणों को मौके पर ही निराकरण किया गया और शेष प्रकरणों के निराकरण के लिए निश्चित समय सीमा दी गई। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार देशमुख, जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन, एसडीएम विनय पोयाम, जनप्रतिनिधि और अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

अंतिम संस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की कोई आवश्यकता नहीं

सारी सुविधाएं मिल रही है मुक्तिधाम में

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । नगर पालिक निगम भिलाई के मुक्तिधाम में ऑनलाइन आवेदन करने की कोई आवश्यकता नहीं है और न ही ऑनलाइन कराने कहीं जाने की आवश्यकता है, इसके लिए प्रारंभिक प्रक्रियाएं पूरी तरीके से मैनुअल सिस्टम है, इसमें किसी भी तरीके से परिवर्तन नहीं किया गया है, जैसे पहले से प्रक्रिया चली आ रही है वैसे ही प्रक्रिया निरंतरता में बनी हुई है।

शोकाकुल परिवार को ऑनलाइन सिस्टम को लेकर किसी भी प्रकार से दिगभ्रमित होने की आवश्यकता नहीं

है। ऑनलाइन सिस्टम न पहले हुआ था और न ही अभी है, शोकाकुल परिवार को किसी प्रकार से भटकने की आवश्यकता नहीं है। यहां आकर आसानी से अंतिम संस्कार की प्रक्रियाएं पुर्ण की जा सकती है। पहले से रामनगर मुक्तिधाम में सुविधाओं में इजाफा हुआ है। भीषण गर्मी में राहत देने के लिए डोम शेड का निर्माण किया गया है, मुक्तिधाम के भीतर किसी भी तरफ धूप में खड़े होने की आवश्यकता नहीं है। हरियाली से आच्छादित रामनगर मुक्तिधाम में शव दाह के लिए मशीन स्थापित किया गया है, विद्युत विभाग से डिमांड मिलते ही बिजली का कनेक्शन लगाकर इसे प्रारंभ कर दिया जाएगा। रामनगर मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार की क्रिया के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की जरूरत नहीं है वहां पर उपस्थित कोई भी मृतक का परिचित या परिवार तथा रिश्तेदार उपस्थित रहकर आसानी से मिनटों में प्रक्रिया पूर्ण कर सकता है। मुक्तिधाम में मृतक के दाह संस्कार के लिए लकडियां और कंडा उपलब्ध है।

आतंकवाद विरोधी दिवस के पर निगम के अधिकारी/कर्मचारियों ने ली शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने आतंकवाद विरोधी दिवस मनाने के उद्देश्य को निगम के कर्मचारियों को अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि इसका प्रमुख उद्देश्य आम लोगों के कष्टों को सामने लाकर और यह दर्शा कर कि आतंकवाद किस तरह राष्ट्रीय हित के विरुद्ध है युवाओं को आतंक और हिंसा के रास्ते से दूर करना जरूरी है। आज निगम के कर्मचारियों ने इस बात की शपथ ली की हम भारतवासी अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परंपरा में दृढ़ विश्वास रखते हैं तथा निष्ठापूर्वक शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे।

हम मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, समाजिक सद्भाव तथा सूझभुझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली और विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की भी शपथ ली गई। इस दौरान प्रमुख रुप से अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, जयकुमार जैन, विद्याधर देवांगन, नवीन साहू एवं स्टेनो पुरुषोत्तम साहू आदि मौजूद रहे।

विधायक व महापौर ने दादा- दादी नाना-नानी पार्क का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत शहर के हृदय स्थल दादा दादी,नाना नानी पार्क का विधायक अरुण वोरा,महापौर धीरज बाकलीवाल,छग राज्य पिछड़ा वर्ग के उपाध्यक्ष आर.एन. वर्मा पार्क का जायजा लिया और आज से दादा- दादी,नाना-नानी पार्क को आम जनता को समर्पित किया।दादा- दादी नाना-नानी का नए सिरे से कायाकल्प का जिम्मा विधायक अरुण वोरा,महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त हरेश मंडावी ने लिया था जिसे बखूबी मूर्तरूप दिया जा रहा है।

शहर के नागरिको को सुकून के दो पल बिताने एवं परिवार के साथ मनोरंजन हेतु इस पार्क को सजाया व सवारा जा रहा है।इस पार्क में नागरिको को देखने को मिलेगी रंग बिरंगी रौशनियों से निखरा दादा दादी,नाना नानी पार्क को आज से जनता के लिए खुला गया। इस दौरान एमआईसी सदस्य अब्दुल गनी,दीपक साहू,संजय कोहले, पार्षद भास्कर कुंडले,उद्यान निरीक्षक अनिल सिंह, अजय मिश्रा,राजकुमार पाली,विकास यादव, मौजूद

थे। दादा दादी नाना नानी पार्क इसमे जनप्रतिनीधियो एवं अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका व मेहनत रंग ला रही है।पर्यावरण व उद्यानिकी विभाग प्रभारी श्रीमती सत्यवती वर्मा भी लगातार इस कार्यो की मॉनिटरिंग कर रही है। महापौर श्री बाकलीवाल एवं आयुक्त श्री मंडावी के द्वारा समय-समय पर दादी,नाना नानी पार्क का जायजा अधिकारियों के साथ लगातार लिया जा रहा है एवं अधिकारियों को सुंदर ढंग से बेहतर काम करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।जिसके फलस्वरूप आज दादा दादी नाना नानी नए स्वरूप में निखर रहा है,शीघ्र जनता को समर्पित किया जाएगा।छत्तीसगढ़ के दुर्ग में स्थित दादा दादी नाना नानी पार्क छत्तीसगढ़ के हलचल भरे पर्यटन स्थलों में से एक है।

निदान 40 : श्रमिक कार्ड बनाने 64 पहुंचे

बच्चों की शिकायत पर आयुक्त ने की त्वरित कार्यवाही, खेल मैदान से हटवाया अतिक्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। वार्ड 17 स्टेशन मरोदा में हुए शिविर में आधा दर्जन बच्चों ने खेल मैदान पर अतिक्रमण होने की शिकायत की। रिसाली नगर पालिक निगम के आयुक्त आशीष देवांगन ने बच्चों को खेल मैदान उपलब्ध कराने त्वरित कार्यवाही की। बांस बल्ली से हुए अतिक्रमण को हटाया गया। वहीं बिल्डींग मटेरियल व हैवी विकल को हटाने मोहलत दी गई।

रिसाली नगर पालिक निगम के निदान-40 शिविर में समस्या को लेकर हर वर्ग के लोग पहुंच रहे है। शिविर स्थल शा. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 9 वी के भावेश, क्रीश, आर्यन व सजल कक्षा 7 के विजय व नमन पहुंचे थे। उन्होंने आयुक्त को टूटी फूटी भाषा में लिखे आवेदन देते कहा कि दुर्गा मंदिर के सामने खेल मैदान पर अतिक्रमण है। बिल्डिंग मटेरियल रखने की वजह से खेलने के

दौरान चोटे लगती है। आयुक्त ने तत्काल शिकायत का पंजीयन कराया और स्थल निरीक्षण कराने के बाद अतिक्रमण को हटवाया। वहीं निर्माण सामाग्री रखने वाले तौकिर खान व हैवी विकल के लिए पार्किंग बनाने वाले धनंजय को 7 दिनों की मोहलत दी।

वार्ड क्रमांक 16, 17 व 18 के लिए लगाए गए शिविर में वैसे तो 91 लोगों ने राशन कार्ड बनाने आवेदन दिया। इसमें से नए एपीएल व बीपीएल राशन कार्ड बनाने प्रस्तुत आवेदन को दस्तावेज के साथ खाद्य नियंत्रक कार्यालय भेजा गया। वहीं महापौर शशि सिन्हा व खाद्य विभाग प्रभारी सोनिया देवांगन ने 26 लोगों को राशन कार्ड उपलब्ध कराया। इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य गोविन्द चतुर्वेदी, चन्द्रभान ठाकुर, ईश्वरी साहू, परमेश्वर, पार्षद विनय नेताम, रेखा देवी व गजेन्द्री कोठारी उपस्थित थे।

शिविर स्थल पर निगम प्रशासन स्वास्थ्य परीक्षण भी कर रही है। शिविर स्थल में आए महिला व पुरूषों और बच्चों का परीक्षण किया जा रहा है। आवश्यकता अनुसार दवाईया दी जा रही है। शिविर स्थल पर हर प्रकार की आवश्यक पैथॉलाजी जांच सुविधा नागरिकों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है।

शिविर स्थल में श्रमिक पंजीयन व कार्ड बनाने भीड़ लग रही है। आयुक्त की पहल पर श्रम विभाग के अधिकारी च्वाइस सेंटर की मदद से पंजीयन करने का कार्य किया जा रहा है। 20 मई को लगाए शिविर में 64 हितग्राही श्रमिक कार्ड बनाने पहुंचे थे। जिसमें से 53 लोगों का ऑनलाइन पंजीयन किया गया।

शिविर पर एक नजर

पंजीयन - 334
प्राप्त आवेदन - 313
निराकृत आवेदन - 81
प्रक्रियाधीन - 232

शासन की योजनाएं सही तरीके से संचालित करे : मंत्री भेड़िया

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण विभाग तथा ज़िले की प्रभारी मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया ने आज दोपहर तीन बजे से ज़िला पंचायत सभाकक्ष में विभागीय योजनाओं और कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, ज़िला पंचायत श्रीमती प्रियंका महोबिया ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्राप्त 67.37 लाख के वार्षिक मानव दिवस के लक्ष्य के विरुद्ध मार्च तक 68.62 लाख मानव दिवस सृजित किया गया।

वहीं वित्तीय लक्ष्य 174 करोड़ 96 लाख के विरुद्ध 163 करोड़ 40 लाख रूपए व्यय किया गया, जिसका प्रतिशत

93.63 है। इसमें मजदूरी में 13015 लाख और सामग्री पर 25928.87 लाख रूपए का व्यय हुआ है। कुल एक लाख 59 हजार 444 जॉब कार्डधारी परिवार में से 139197 (96.80त्न) परिवार को रोजगार उपलब्ध कराया गया। वहीं 100 दिवस का रोजगार 15054 परिवार को मिला है।

गोधन न्याय योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि ज़िले में 335 पंचायतों में गौठानों का निर्माण कर लिया गया है। स्वीकृत गौठानों में 283 ग्रामीण गौठान पूर्ण और वन विभाग के 48 गौठान में काम चालू है। प्रभारी मंत्री ने आवर्ती चराई के गौठानों का काम जल्द पूरा करने के निर्देश बैठक में दिए। ज़िले में फ्लिहाल 265 सक्रिय गौठानों के जरिए नौ हजार 567 पशुपालकों से तीन लाख 32 हजार 668 क्विंटल गोबर खरीदी कर छ: करोड़ 65 लाख रूपए से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। इसी तरह 71587.24 क्विंटल खाद उत्पादन किया गया। इसमें से 37007.92 क्विंटल खाद तीन करोड़ 58 लाख रूपए का बेचकर लाभांश के तौर पर महिला समूहों को 112.8 लाख रुपए और गौठान समितियों को 165 लाख रुपए मिले हैं। बताया गया है कि ज़िले में अब तक 130 गौठान स्वावलंबी बन चुके हैं। ज़िले में 23 गौठानों को पहले चरण में ग्रामीण आद्यौगिक पार्क के रूप में विकसित करने की योजना है, जिससे महिला समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा सके ।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने छत्तीसगढ़ महिला कोष के तहत लक्षित सभी 85 महिला समूहों को ऋण योजना से लाभान्वित करने पर बल दिया। बताया गया कि अब तक 28 महिला समूहों को व्यवसाय स्थापित करने के लिए योजना के तहत ऋण दिया गया है। वहीं शासन की महती मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के तहत 10 हजार से अधिक बच्चों और महिलाओं में कुपोषण और एनीमिया दूर करने का प्रयास किया जा रहा। बताया गया कि गर्भवती माताओं और तीन से छ: साल तक की उम्र के बच्चों को प्रोटीन प्रदाय करने अंडा अथवा सोयाबीन की बड़ी दी जा रही है। कैबिनेट मंत्री ने पोषण पुनर्वास केन्द्र के जरिए सभी कुपोषित बच्चों को स्वास्थ्य लाभ देने पर विशेष जोर बैठक में दिया। वहीं समाज कल्याण विभाग के तहत हितग्राहियों को मिल रहे पेंशन सुविधाओं की जानकारी ली। बताया गया कि सभी ब्लॉक में छूटे हुए हितग्राहियों का चिन्हांकन करने शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। प्रभारी मंत्री ने सभी पात्र लोगों को समय पर पेंशन भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया है कि 'आजादी से अंत्योदय तक' अभियान के तहत जिले में 18 मई से 23 जून तक कुल 17 आंकलन और प्रमाणीकरण शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में दिव्यांगजनों का यूडीआईडी कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाया जा रहा है, वहीं कृत्रिम अंग चिन्हांकन, आंकलन और प्रमाणीकरण भी किया जा रहा है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
Arhum Electronics
9926100315
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

मिशन अमृत सरोवर के तहत हर जिले में बनेंगे 75 तालाब

रायपुर। सतही और भूमिगत जल की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए रिमोट सेंसिंग और भू-स्थानिक जैसी नवीनतम तकनीकों के उपयोग से प्रदेश के हर जिले में कम से कम 75 तालाब बनाए जाएंगे। मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) से मिशन अमृत सरोवर के तहत ये तालाब (सरोवर) बनाए जाएंगे। जिन गांवों में वाटर हार्वेस्टिंग पोटेंशियल के नवीन स्थल उपलब्ध नहीं हैं, वहां पुराने तालाबों का जीर्णोद्धार कर उनका विकास एवं कायाकल्प किया जाएगा। मिशन अमृत सरोवर के अंतर्गत बनने वाले इन तालाबों को 'अमृत सरोवर' नाम दिया गया है। बारिश के पानी के संरक्षण एवं संचय के लिए इन तालाबों के निर्माण को मिशन का रूप देते हुए इन्हें जल्द से जल्द पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। मनरेगा आयुक्त मोहम्मद कैसर अब्दुलहक ने सभी जिलों के कलेक्टर को परिपत्र जारी कर समय-सीमा के भीतर इस संबंध में कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। मनरेगा राज्य कार्यालय द्वारा जारी परिपत्र के साथ केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मिशन अमृत सरोवर के लिए तैयार संयुक्त मार्गदर्शिका एवं दिशा-निर्देश भी सभी जिलों को प्रेषित किए गए हैं। मिशन अमृत सरोवर के अंतर्गत हर जिले में रिमोट सेंसिंग एवं जीओ-स्पेशियल तकनीकों का उपयोग करते हुए कम से कम 75 सरोवरों (तालाबों) का निर्माण किया जाएगा। कम से कम एक एकड़ (0.4 हेक्टेयर) क्षेत्रफल में बनने वाले ऐसे प्रत्येक तालाब की जलधारण क्षमता करीब दस हजार घनमीटर होगी। यदि किसी चिन्हांकित पंचायत में नया अमृत सरोवर बनाने के लिए उपयुक्त जगह नहीं है तो वहां पहले से बने तालाब का पुनरुद्धार या गाद निकासी का कार्य उसकी पारिस्थितिकी और उत्पादक उपयोगिता को बहाल करने के उद्देश्य से लिया जा सकता है। मनरेगा राज्य कार्यालय द्वारा अमृत सरोवर के निर्माण के लिए स्थल चयन, उनकी सूची तैयार करने, निर्माण की प्रगति की निगरानी एवं तत्संबंधी दस्तावेजों को अपलोड करने के लिए भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफस्पेस एप्लीकेशन एंड जियोमैटिक्स-नेशनल (बाईसेग-एन) द्वारा विकसित अमृत सरोवर पोर्टल के उपयोग के निर्देश दिए गए हैं।

निर्माण श्रमिक ई-रिक्शा सहायता योजनाः अब मिलेगा 1 लाख रूपए का अनुदान

रायपुर। निर्माण श्रमिक ई-रिक्शा सहायता की योजना में अब हितग्राहियों को दी जाने वाली अनुदान राशि 50 हजार रूपए से बढ़ाकर 1 लाख रूपए कर दी गई है। इस संबंध में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार योजना में अनुदान प्राप्त करने के लिए हितग्राहियों को ऑनलाईन आवेदन करते समय आवेदन के साथ हितग्राही की जीवित श्रमिक पंजीयन परिचय पत्र की प्रति बैंक से लोन प्राप्त करने संबंधी दस्तावेज की मूल स्कैन प्रति आधार कार्ड, ड्राईविंग लायसेंस और बैंक पासबुक संलग्न करना होगा। अधिकारियों ने बताया कि हितग्राहियों को ऑनलाईन आवेदन के साथ केवल मूल दस्तावेज ही स्कैन कर ऑनलाईन अपलोड किया जाना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार बैंक से ऋण स्वीकृति के 90 दिवस के भीतर अनुदान प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत करना होगा। ये संशोधित प्रावधान 1 मई 2022 से प्रभावशील किए गए हैं।

निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम-विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण - मंडल द्वारा निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को एथलेटिक, कबड्डी, खोखो, फुटबाल, हेण्डबाल, तीरंदाजी, कुश्ती, हाकी और तैराकी जैसे खेलों में जिला, संभाग, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों द्वारा जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर एक हजार रूपये, संभाग स्तर पर दो हजार रूपये, राज्य स्तर पर पांच हजार और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले श्रमिकों के बच्चों को 50 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।

भेंट-मुलाकात अभियान

भेंट-मुलाकात अभियान का मकसद यह जानना है कि लोगों को योजना का लाभ मिल रहा है या नहींः सीएम

सभी पात्र हितग्राहियों को दिया जाए वनाधिकार पट्टाः मुख्यमंत्री बघेल

मर्दापाल को स्वामी आत्मानंद स्कूल, मिनी स्टेडियम, सहकारी बैंक शाखा की मिली सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नारायणपुर जिले के ग्राम मर्दापाल में भेंट-मुलाकात के दौरान ग्रामीणों से कहा आप लोगों के बीच आकर बहुत खुश हूं। हम लोग गरीबों व ग्रामीणों के लिए योजना बनाते हैं। भेंट-मुलाकात कर हमारा मकसद यह जानना है कि आपको इनका लाभ मिल रहा है अथवा नहीं। मुख्यमंत्री ने ग्राम मर्दापाल में सरई के वृक्षों के बीच छिंद और जामुन की पत्तियों से बने छप्पर के नीचे आमजनों से मुलाकात की। माझी और चालकी ने पगड़ी बांधकर मुख्यमंत्री का सम्मान किया। भेंट-मुलाकात के पूर्व मुख्यमंत्री ने देवगुड़ी में बाबा भंगाराम की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की मंगल कामना की।

ग्रामीणों को मिली सौगात

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की मांग पर मर्दापाल में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, हॉकी खिलाड़ी बालिकाओं की मांग पर मिनी स्टेडियम, सहकारी बैंक की शाखा, ग्राम मर्दापाल मेड़पाल मुख्य मार्ग से चांगेर होते हुए ग्राम हंगवा तक डामरीकृत सड़क, ग्राम कुधुर में भंवरडीह नदी पर पुलिया निर्माण, हरेली से कुधुर तक पुल एवं रोड निर्माण, मर्दापाल तहसील कार्यालय से ग्राम छोटे कुरुसनार तक सड़क निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा तेंदूपत्ता का नक़द भुगतान होगा, यह सुनकर पूरी चौपाल मुख्यमंत्री जिंदाबाद की गूंज से भर गई।

मुख्यमंत्री ने मर्दापाल में कुल 11 करोड़ 77 लाख राशि के 76 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इसमें 4 करोड़ 71 लाख राशि के 12 विकास कार्यों का लोकार्पण और 7 करोड़ 6 लाख राशि के विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। मुख्यमंत्री ने भेंट मुलाकात में एक ग्रामीण ने कहा कि तीन पीढ़ी से मैं निवास कर रहा हूं। स्थानीय गैर आदिवासी हूं। वनाधिकार पट्टा नहीं मिला है। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 13 दिसंबर 2005 से पहले के रहवासियों को नियमानुसार पट्टा मिलेगा। अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस पर कार्रवाई करें। नियमानुसार कोई भी पात्र हितग्राही का वनाधिकार पट्टा नहीं चूकना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांव में जो गायता, पुजारी हैं। उन्हें साल भर में 7 हजार मिलेंगे। वनाधिकार पट्टा हमने दिया, यदि किसी को न मिला तो बताएं। इस पर किसान ने कहा आपके आने से उम्मीद थी। आपने इसे साकार कर दिया। गगन्तरी की सुखमती की राशनकार्ड नहीं मिलने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने तुरंत राशनकार्ड बनवाने के निर्देश दिए। कुरूसनगर की रहने वाली एक महिला ने बताया कि उसकी जमीन पर कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया है। इस पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि उसके साथ अन्याय नहीं होगा। कलेक्टर को इस मामले पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने गौठान में बायो फ्लॉक तरीके से मछलीपालन की तारीफ

मुख्यमंत्री ने गौठान का निरीक्षण कर समूह की महिलाओं से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बायो फ्लॉक तरीके से हो रहे मछलीपालन को देखा। मुख्यमंत्री ने इस नवाचार की प्रशंसा की करते हुए कहा कि यहां थोड़ी सी जगह में ही बड़े पैमाने पर मछलियों का उत्पादन संभव हो सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा- बढ़िया भोजन कराया, धन्यवाद !

मुख्यमंत्री ने मर्दापाल में भोला राम भोयर के घर पर उनके साथ जमीन पर बैठकर भोजन किया। भोजन में स्थानीय व्यंजन चरोटा भाजी और हिरवां की सब्जी, रोटी, दाल, चावल, आम की चटनी, चेंच भाजी, कोलियरी भाजी और भिंडी परोसा गया। मुख्यमंत्री ने कहा- बढ़िया भोजन कराया, धन्यवाद !

पशुपालन बढ़ावा देकर आर्थिक स्थिति होगी बेहतर - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि नस्ल सुधार कार्यक्रम के तहत यहां उन्नत नस्ल की गायें तैयार हो रही हैं। यहां इंग्लैंड की एचएफप्रजाति की गायों को भी रखा गया है। यह गाय अपने सबसे उन्नत स्थिति में 60 लीटर तक दूध देती हैं। पिग शेड के बारे में भी मुख्यमंत्री को बताया गया। यहां पर कृष्णशायर प्रजाति के सूअर हैं। यह प्रजाति इंग्लैंड के यॉर्कशायर की क्रॉस ब्रीड है। अधिकारियों ने बताया कि यहां पर मुर्गीपालन का कार्य भी हो रहा है। कलिंगा ब्राउन ब्लैक रॉक जैसे नस्लों का पालन हो रहा है। महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने गोधन न्याय योजना की तारीफकरते हुए कहा कि उन्हें 40 क्विंटल गोबर बेचने पर 8000 रूपए की आमदनी हुई है। मुख्यमंत्री ने इस पर खुशी जताते हुए कहा कि पशुपालन को बढ़ावा देकर आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाया जा सकता है।

मरीजों के इलाज की दो पर्ची नहीं बनाने पर मुख्यमंत्री हुए नाराज

मुख्यमंत्री ने मर्दापाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। डॉक्टरों द्वारा लिखी दवा मरीजों को मिल रही या नहीं, इसके सत्यापन की व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने पर मुख्यमंत्री ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। मरीजों के इलाज की दो पर्ची बनाने के आदेश का पालन नहीं होने पर मुख्यमंत्री ने आदेश का सख्ती से पालन करने कहा। उन्होंने उचित मात्रा में दवा उपलब्ध हो इसकी क्रॉस चेकिंग के लिए सिस्टम बनाने के निर्देश दिये।

दूर हुए संघर्ष के दिन, अब पहाड़ नहीं चढ़ना होगा न ही नदी-नाला पार करना होगा

25 परिवारों को मिलेगा पास के ग्राम पंचायत में राशन

रायपुर। हम गांव के 25 परिवार हैं। पहाड़ की 16 किलोमीटर की कठिन चढ़ाई के बाद, ढाई घंटे लगातार चलकर राशन दुकान तक पहुंचते हैं, कभी-कभी खराब रास्ते से आना पड़ता है तो 35 किमी की दूरी तय करनी पड़ती है, जहां नदी, नाला, खराब रास्तों से संघर्ष करना पड़ता है, मुख्यमंत्री जी हमारी मांग है कि हमारे गांव को नजदीकी पंचायत घुईडीह के राशन दुकान से जोड़ा जाए, जहां से राशन लेना आसान हो, गड़ईपारा निवासी हरीलाल की इतनी बात सुनते ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अधिकारियों को तत्काल निर्देशित किया, अब ग्रामीणों को 25 कि.मी. पहाड़ चढ़कर या 35 कि.मी. के रास्तों से संघर्ष करके राशन नहीं लेना पड़ेगा, उन्हें अब राशन अपने नजदीकी ग्राम पंचायत घुईडीह में ही मिलेगा।

ज़मीनी स्तर पर शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन का प्रभाव देखने और जनता से सीधे संवाद करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट मुलाकात अभियान का आह्वान किया है। इसी क्रम में जब 7 मई को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कुदरगढ़ पहुंचे और यहां के चौपाल में ये समस्या उभरी तो 6 दिन के भीतर ही ग्रामीणों को ग्राम घुईडीह से राशन मिलना सुनिश्चित हो गया। ग्राम कुदरगढ़ से 25 हितग्राहियों के नाम ग्राम घुईडीह के राशन दुकान में स्थानांतरित कर दिया गया है।

अब ग्रामीणों को पहाड़ चढ़ने और नदी नाले और पथरीले रास्तों से जूझने का संघर्ष नहीं करना होगा। ग्रामीणों के आग्रह पर उनके गांव को नजदीक की ग्राम पंचायत घुईडीह से जोड़ दिया गया है, ताकि उन्हें आसानी से राशन मिल सके और दिक्कतों का सामना ना करना पड़े। ग्रामीणों की समस्या सुनकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तत्काल गांव के नजदीक की राशन दुकान में उन सभी हितग्राहियों के नाम जोड़ने के निर्देश दे दिए थे। मुख्यमंत्री के 7 मई को दिए गए निर्देश का तत्काल पालन करते हुए 13 मई को हितग्राहियों के नाम ग्राम घुईडीह में जोड़ दिया गया।

पिता को नक्सलियों ने गांव से भगाया, बेटे ने देश में दिलाया मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुदूर गांव अबूझमाड़ के रहने वाले 12 साल के राकेश वर्दा को चार साल पहले अपने पिता के साथ ओरछा गांव छोड़ना पड़ा था। बेटे की खेल में रूचि को देखते हुए नक्सलियों ने पिता को धमकी दी ओर बेटे को खेलना बंद करने को कहा। ऐसा ना करने पर नक्सलियों ने राकेश के पिता को गांव छोड़ने को कहा। पिता ने बेटे की रुचि को प्राथमिकता दी और उसे कुतुलगरपा गांव ले आए। यहां 8 साल के राकेश वर्दा को छत्तीसगढ़ स्पेशल टास्क फोर्स में काम करने वाले मनोज प्रसाद मिले जो मल्लखंब के प्रशिक्षक हैं। नई जगह में राकेश के जज्बे को एक नई रौशनी मिली और महज 12 वर्ष की उम्र में राकेश ने महाराष्ट्र के गोरेगांव में आयोजित राष्ट्रीय मल्लखंब हैंडस्टैंड प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया। राकेश ने 1 मिनट 6 सेकेंड तक हैंडस्टैंड करते हुए न सिर्फ विजेता का खिताब जीता बल्कि भारत और विश्व के लिए एक नया कीर्तिमान भी स्थापित कर दिया। इससे पहले भारत का बेस्ट रिकार्ड 30 सेकेंड का था।

मल्लखंभ हैंडस्टैंड प्रतियोगिता के लिए देश भर के 1000 खिलाड़ी शामिल हुए थे। खास बात ये है कि दूसरा स्थान भी अबूझमाड़ के रहने वाले 11 साल के राजेश कोर्राम ने प्राप्त किया। इस प्रदर्शन के साथ ही राकेश का नाम इंडिया बुक आफ रिकार्ड्स में दर्ज हो गया है। राकेश ने इस प्रदर्शन के लिए गिनीज बुक आफवर्ल्ड रिकार्ड के लिए भी आवेदन किया है जिसे स्वीकार कर लिया गया है. लेकिन इस आवेदन के लिए जरूरी 80 हजार रूपए की फीस भर पाने में राकेश समर्थ नहीं है। राकेश की इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री ने हाथ मिलाकर उसे बधाई दी और गिनीज बुक ऑफ रिकार्ड्स के नामांकन में राकेश की मदद के लिए मुख्यमंत्री ने कलेक्टर नारायणपुर को निर्देश दिए।

राष्ट्रीय मल्लखंब हैंडस्टैंड प्रतियोगिता जीतने वाले राकेश वर्दा समेत छत्तीसगढ़ के 10 खिलाड़ियों का चयन हरियाणा में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया प्रोग्राम के लिए किया गया है। अबूझमाड़ के जंगलों से निकलकर देश में पहचान बनाने वाले 12 साल के राकेश वर्दा के प्रदर्शन से पूरा छत्तीसगढ़ गौरवांवित है।

मर्दापाल की बेटियां बोलीं हमने खेला है हॉकी का नेशनल

रायपुर। नारायणपुर विधानसभा के ग्राम-मर्दापाल की भेंट-मुलाकात में मुख्यमंत्री ने हॉकी में नेशनल खेल चुकी शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मर्दापाल की छात्राओं की मुराद पूरी की। मुख्यमंत्री ने इन बेटियों की टीम को हॉकी का कम्प्लीट किट भी भेंट किया। मुलाकात के दौरान मर्दापाल की हॉकी प्लेयर्स बेटियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें जिला पुलिस और सीआरपीएफ द्वारा संयुक्त रूप से हॉकी की ट्रेनिंग दी जा रही। मगर वे फिलहाल मर्दापाल थाने के पीछे ग्राउंड में ही प्रैक्टिस करती हैं और हॉकी के नेशनल में भाग ले चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने इन बेटियों की मांग पर मर्दापाल में मिनी स्टेडियम का निर्माण कराए जाने की घोषणा की।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

क्या शुगर लेवल को कम कर सकती है भिंडी? और सेहत के लिए अन्य फायदे भी

भारतीय भोजन में कई प्रकार की पौष्टिक हरी सब्जियों का जिक्र मिलता है, भिंडी भी उन्हीं में से एक है। स्वाद के साथ-साथ भिंडी में मौजूद गुण, इसे सेहत के लिए भी कई प्रकार से लाभकारी बनाते हैं। शोध में पता चलता है कि भिंडी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होती है, जिसकी शरीर को नियमित रूप से आवश्यकता होती है। इतना ही नहीं भिंडी में विटामिन सी, के और ई सहित नियासिन, फोलेट, फास्फोरस, मैग्नीशियम,आयरन, मैंगनीज और कैल्शियम भी पाया जाता है, जो इसे स्वास्थ्य के लिए विशेष लाभप्रद बनाती है।

अध्ययनों से पता चलता है कि भिंडी का सेवन कई प्रकार के रोगों से बचाने में भी काफी लाभदायक हो सकता है। विशेषकर डायबिटीज रोगियों को भिंडी के सेवन की सलाह दी जाती है, क्योंकि इसमें मौजूद गुण शुगर लेवल को आसानी से नियंत्रित करने में सहायक माने जाते हैं। जिन लोगों को एनीमिया की शिकायत होती है, भिंडी का सेवन करना उनके लिए भी विशेष फायदेमंद माना जाता है। आइए आगे विस्तार से समझते हैं कि भिंडी की सब्जी किस तरह से हमारे लिए फायदेमंद हो सकती है?

क्या डायबिटीज में फायदेमंद है भिंडी?

आहार विशेषज्ञ बताते हैं, भिंडी में फाइबर, विटामिन, खनिजों और एंटीऑक्सिडेंट्स की अच्छा मात्रा पाई जाती है। रक्त शर्करा को कम करने के लिए यह एक सुपरफूड है। इसमें फाइबर की मात्रा भी पाई जाती है जो पाचन को ठीक रखने के साथ ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने में सहायक है। इसके अलावा भिंडी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) भी कम होता है, जिससे भिंडी खाने से शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिल जाते हैं और शुगर बढ़ने नहीं पाता। कुछ शोध बताते हैं कि भिंडी गर्भकालीन मधुमेह के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करती है।

तनाव को कंट्रोल करने वाली सब्जी

चूहों पर किए एक शोध में वैज्ञानिकों ने पाया कि भिंडी के बीज के अर्क में एंटीऑक्सिडेंट गुण होते हैं जो तनाव को कम करने में आपकी मदद कर सकते हैं। तनाव के स्तर को प्रबंधित करना मधुमेह को कंट्रोल करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। लंबे समय तक, तनाव का स्तर बढ़े रहने से रक्त शर्करा का स्तर भी बढ़ सकता है। मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए भिंडी का सेवन करना लाभकारी हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मददगार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने को हृदय रोगों के प्रमुख कारक के तौर पर देखा जाता है। प्रयोगशाला में चूहों पर किए गए अध्ययन में भिंडी को मधुमेह के साथ कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में भी कारगर पाया गया है। फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स गुणों वाले खाद्य पदार्थ कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखने में विशेष भूमिका निभा सकते हैं। भिंडी का सेवन करना इसमें आपके लिए काफी मददगार हो सकता है।

भिंडी के यह भी हैं फायदें

- कोलेस्ट्रॉल और मधुमेह को कंट्रोल करने के साथ, भिंडी का सेवन शरीर के लिए कई अन्य तरीकों से भी फायदेमंद माना जाता है।
- भिंडी में मौजूद विटामिन-सी इम्युनिटी बढ़ाने में आपकी मदद कर सकता है।
- विटामिन ए, बी और सी से भरपूर होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए भी भिंडी अच्छी होती है।
- इसमें बहुत कम कैलोरी होती है, जिससे वजन बढ़ने का जोखिम कम होता है।
- भिंडी में मौजूद विटामिन-के, हड्डियों को स्वस्थ रखने और इससे संबंधित बीमारियों को दूर करने में सहायक है।

भाषा विवाद में हुई अक्षय कुमार की एंट्रीः बोले-

पैन इंडिया शब्द मुझे समझ नहीं आता डिवीजन से हमारा बेड़ा गर्क हुआ

बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बीच भाषा विवाद अभी भी जारी है। इसकी शुरुआत किच्चा सुदीप ने की थी, बाद में जिसे अजय देवगन ने तूल दी और ये अभी चल रहा है। इसी बीच अब इस विवाद में खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार की एंट्री हो गई है। उन्होंने कहा कि मुझे ये पैन इंडिया शब्द समझ नहीं आता है। इसके साथ ही उन्होंने यह माना की रीजनल सिनेमा की ब्लाकबस्टर की वजह से बॉलीवुड फिल्में बॉक्स ऑफिस में अच्छा परफॉर्म नहीं कर पा रही हैं।

मुझे गुस्सा आता है

अक्षय कुमार कहा, मुझे उम्मीद कि चीजों में बदलाव होगा और जल्द ही ऐसा भी समय आएगा जब बॉक्स ऑफिस पर हर फिल्म अच्छा परफॉर्म करेगी। इससे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे नहीं पता कि क्या होगा और यह 'पैन इंडिया' शब्द मेरी समझ से बाहर है। मैं डिवीजन में विश्वास नहीं करता। मुझे गुस्सा आता है, जब कोई यह कहता है कि 'ये साउथ इंडस्ट्री से है और ये नॉर्थ इंडस्ट्री से है।' हम सब की एक ही इंडस्ट्री से हैं और मेरा मानना भी यही है। मुझे लगता है कि अब हमें यह सवाल भी पूछना बंद कर देना चाहिए।

हमने इतिहास से कुछ सीखना चाहिए

अक्षय ने आगे कहा, हमने अपने इतिहास से भी कुछ नहीं सीखा और अंग्रेजों ने भी धर्म और भाषा के आधार पर लोगों को बांटने का फायदा उठाया था। जब ब्रिटिशर्स आ के बोलते थे कि 'ये-ये है और वो-वो।' इस वजह से हमारा बेड़ा गर्क हुआ था, उन्होंने हमें डिवाइड किया और हमने इससे कभी नहीं सीखा। हम जिस दिन इस बात को समझने लगेंगे कि हम एक हैं, चीजें अच्छी हो जाएंगी।

भाषा को मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है

साउथ VS बॉलीवुड पर बात करते हुए अक्षय ने कहा, हम खुद को एक इंडस्ट्री क्यों नहीं कह सकते है? हमें इसे 'नॉर्थ या हिंदी' कहकर डिवाइड करने की आवश्यकता क्यों है? फिर वो लैंग्वेज की बात करेंगे, और फिर इस पर बहस शुरू होगी। हम सबकी भाषा अच्छी है और हम सब अपनी मातृभाषा में बात कर रहे हैं, यह सुंदर बात है। इसे मुद्दा बनाने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है।

सेहत का खजानाः बहुत फायदेमंद है यह 'करिश्माई फल इम्युनिटी बढ़ाने से लेकर शुगर कंट्रोल करने तक में लाभकारी

गर्मी के इस मौसम में तेज धूप और बढ़ते तापमान ने सभी को परेशान कर रखा है। ज्यादातर लोगों को यह मौसम पसंद न होने के लिए इसे ही प्रमुख वजह माना जा सकता है। हालांकि सेहत के लिहाज से इस मौसम में बहुतायत में मिलने वाले कुछ फलों को विशेष लाभप्रद बताया गया है। गर्मी के इस मौसम में खीरा, तरबूज-खरबूज खाने के फायदों के बारे में हम सभी सुनते आ रहे हैं, पर मेडिकल साइंस में जिस फल को सेहत का खजाना बताया जाता है, वह है जामुन। जामुन गर्मियों में हाइड्रेशन को बनाए रखने के साथ शरीर में कई प्रकार की बीमारियों के जोखिम को कम करने में विशेष लाभदायक माना जाता है। जामुन के फायदों के बारे में जानने के लिए किए गए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि यह ल एंटीऑक्सिडेंट, कैल्शियम, फास्फोरस और फ्लेवोनोइड का समृद्ध स्रोत है। ये सभी पोषक तत्व शरीर को बेहतर ढंग से कार्य करते रहने में सहायक होते हैं। आइए जानते हैं कि जामुन खाने से किन बीमारियों में लाभ मिल सकता है?

हीमोग्लोबिन बढ़ाने में सहायक

अध्ययनों से पता चलता है कि जामुन विटामिन-सी और आयरन से भरपूर होता है, ऐसे में इसका सेवन हीमोग्लोबिन को बढ़ाने के साथ रक्त को साफ रखने में भी सहायक है। रक्त के माध्यम से अंगों तक ऑक्सीजन ले जाने में हीमोग्लोबिन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। फल में मौजूद आयरन आपके खून को भी शुद्ध करता है। जिन लोगों में आयरन की कमी या एनीमिया की समस्या होती है उनके लिए भी जामुन का सेवन करना विशेष लाभप्रद हो सकता है।

टाइप-2 डायबिटीज वाले रोगियों के लिए फायदेमंद

जामुन में पाए जाने वाले पोषक तत्व और एंटीऑक्सीडेंट्स टाइप-2 डायबिटीज की जटिलताओं को कम करने और ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल रखने में सहायक हो सकता है। जामुन का ग्लाइसेमिक इंडेक्स (25) कम होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर को सामान्य रखने में सहायक है। कुछ शोध में पता चलता है कि नियमित रूप से जामुन का फल या बीज का सेवन करने वाले लोगों में ब्लड शुगर का स्तर सामान्य बना रहता है।

हृदय रोगों का कम होता है जोखिम

हृदय रोग दुनियाभर में मृत्यु के बढ़ते जोखिम कारकों में से एक हैं, इस खतरे को कम करने के लिए भी जामुन का सेवन करना विशेष लाभकारी हो सकता है। जामुन में पोटैशियम की भरपूर मात्रा होती है जो आपके हृदय को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आवश्यक पोषक तत्व है। 100 ग्राम जामुन में लगभग 55 मिलीग्राम पोटैशियम होता है। उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी बीमारियों को दूर रखने में इस फल का सेवन फायदेमंद होता है।

पाचन को रखता है ठीक

जामुन खाने को पाचन स्वास्थ्य के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। जामुन में विटामिन ए और सी की भरपूर मात्रा होती है जो शरीर को डिटॉक्सीफाई करने और पाचन विकारों को ठीक करने में काफी सहायक हो सकता है। पेट के सूजन, कब्ज और गैस जैसी दिक्कतों को कम करने के लिए इस फल को आहार में जरूर शामिल करना चाहिए।

नई पारीः शैलेश लोढ़ा ने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को अलविदा बोल नए शो की शूटिंग शुरू की, होस्ट की भूमिका में आएंगे नजर

तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में तारक मेहता की भूमिका निभाने वाले शैलेश लोढ़ा ने सीरियल छोड़ दिया है। वह पिछले एक महीने से किसी सीरियल की शूटिंग नहीं कर रहे हैं। हाल ही में अब उनके बारे में एक नई बात सामने आई है कि वे पिछले एक हफ्ते से मुंबई में एक नए शो की शूटिंग कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शैलेश इस शो को होस्ट करते हुए नजर आएंगे।

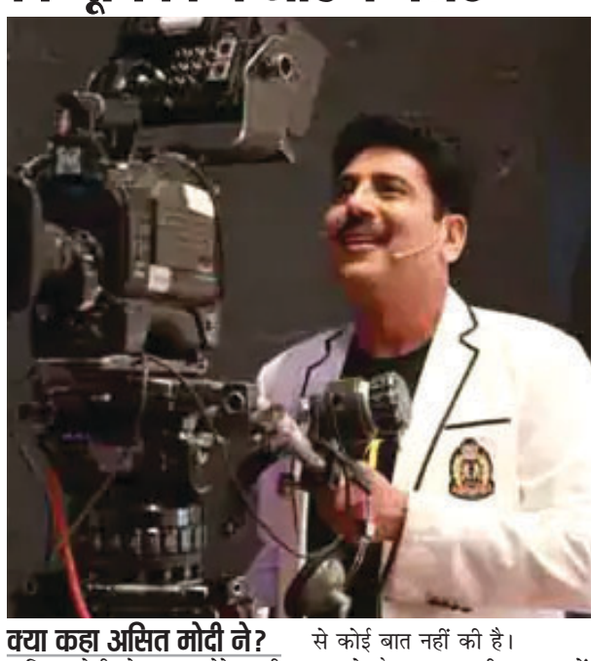

इंडिया टीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, शैलेश लोढ़ा जून से शेमारू टीवी पर शुरू होने जा रहे शो को होस्ट करेंगे। यह शो पोएट्री शो पर आधारित है। इस शो के जरिए उभरते कवियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का प्लेटफॉर्म मिलेगा। शैलेश लोढ़ा पिछले एक हफ्ते से इस शो की शूटिंग कर रहे हैं। इस शो का प्रोमो जल्द ही लॉन्च किया जाएगा।

क्या कहा असित मोदी ने?

असित मोदी ने कहा, मेरे सभी कलाकार इस शो में 10 साल से अधिक समय से काम कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि शैलेश लोढ़ा शो छोड़ना चाहते हैं। अगर उन्हें कोई समस्या है तो मैं इस बारे में उनसे जरूर बात करूंगा। मैं फिलहाल इस बात पर ध्यान दे रहा हूं कि शो को और मनोरंजक कैसे बनाया जाए?' शैलेश ने अब तक मीडिया से कोई बात नहीं की है।

शो के अन्य साथी कलाकारों को भी नहीं पता कि वे शो छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। जब आप शो में 10 साल से अधिक समय तक काम कर रहे हों तो कुछ बातों पर असहमति उत्पन्न हो ही जाती है। हर किसी को रोजमर्रा के काम में समस्या होती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इसे हल नहीं किया जा सकता है।

लास्ट सॉन्ग आउटः सिद्धार्थ शुक्ला का आखिरी सॉन्ग 'जीना जरूरी है' हुआ रिलीज, एक्टर को देख इमोशनल हुए फैंस

दिवंगत एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला का आखिरी सॉन्ग 'जीना जरूरी है' शुक्रवार (20 मई) को रिलीज हो चुका है। सॉन्ग में बिग बॉस 15 के कंटेस्टेंट विशाल कोटियान और सिंगर दीपिका त्रिपाठी भी हैं। गाने की शूटिंग पिछले साल हुई थी। विशाल ने सॉन्ग रिलीज का वीडियो शेयर करते हुए सिद्धार्थ के लिए कैप्शन भी लिखा। सॉन्ग को देखने के बाद जहां कुछ फैंस भावुक हो गए, वहीं कुछ लोग गाने की रिलीज को लेकर विशाल पर भड़क गए। फैंस ने विशाल के ऊपर गुस्सा निकालते हुए कहा कि उन्हें सिड की फैमिली से सॉन्ग रिलीज के लिए पूछना चाहिए थी। इसमें दो भाइयों की कहानी को दिखाया गया है, जो एक ही लड़की से प्यार कर बैठते हैं। बता दें, सिद्धार्थ का निधन 2 सितंबर 2021 को हार्ट अटैक की वजह से हो गया था।

बेटे की तारीफ कार्तिक आर्यन के पेरेंट्स ने देख ली 'भूल भुलैया 2', बोले-कार्तिक की फिल्म हिट होगी

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया 2' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फैंस इस फिल्म को खूब पसंद कर रहे हैं। वहीं 19 मई को इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग मुंबई में रखी गई थी। कार्तिक के पेरेंट्स ने भी इस फिल्म को देखा और अपने बेटे और उनकी परफॉरमेंस की खूब तारीफकी। जहां उनकी मां माला ने कहा कि कार्तिक की फिल्म हिट होगी। वहीं उनके पिता मनीष ने भी उनकी तारीफ की। कार्तिक की बहन भी फिल्म की स्क्रीनिंग पर पहुंची थीं। इस फिल्म में कार्तिक के साथ-साथ तब्बू और कियारा भी हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना : जिले के 90 जोड़ें बंधेंगे परिणय सूत्र में

कोरबा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 21 मई को जिले के 90 जोड़ें परिणय सूत्र में बंधेंगे। सामूहिक विवाह कार्यक्रम 21 मई को कटघोरा के अग्रसेन भवन में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित होगी। सांसद ज्योत्सना महंत कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगी। नव दंपत्तियों को आशीर्वाद प्रदान करने के लिए कटघोरा विधायक पुरूषोत्तम विधायक, पाली-तानाखार विधायक मोहितराम केरकेट्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष शिवकला कंवर, जनपद पंचायत कटघोरा अध्यक्ष लता कंवर, नगर पालिका कटघोरा अध्यक्ष रतन मित्तल भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की कन्याओं के विवाह के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से सरकार द्वारा 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता नव दम्पत्ति जोडे को प्रदान की जाती है।

लर्निंग लायसेंस बनाने के लिए सुविधा केन्द्र स्थापित करने आवेदन आमंत्रित

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ शासन परिवहन विभाग द्वारा परिवहन सुविधा केन्द्र मार्गदर्शिका-2022 जारी किया गया है। गरियाबंद जिले में लर्निंग लाइसेंस बनाने के लिये 12 सुविधा केन्द्र को प्राधिकृत करते हुए स्थापित किया जायेगा। जिसके लिये जिला परिवहन कार्यालय गरियाबंद में इच्छित अर्हताधारी 200 रूपये विहित शुल्क जमा कर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि आवेदन प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि 06 जून 2022 शाम 05.30 बजे तक निर्धारित है।

मुख्यमंत्री बघेल ने अबूझमाड़ के छोटेडोंगर में आम जनता से की भेंट-मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दूसरे चरण के तीसरे दिन अबूझमाड़ नारायणपुर जिले के छोटेडोंगर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले देवगुड़ी पहुंचकर माता गुड़ी में पूजा अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने देवगुड़ी प्रांगण में कदम का पौधा लगाया।

इस दौरान मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गायता (पुजारियों) से चर्चा की और उन्हें उपहार में धोती-कुर्ता भेंट किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पुजारियों ने आदिवासी परंपरा के प्रतीक स्वरूप पागा बांधकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छोटेडोंगर में 18 करोड़ रुपये की लागत से आदिवासी संस्कृति एवं आस्था के केंद्र 104 देवगुड़ियों एवं 104 घोटुल के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन भी किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने नक्सल प्रभावित सुदूर क्षेत्र छोटेडोंगर में शिक्षा का उजियारा बिखेरने कई घोषणाएं की। उन्होंने लोगों तक उच्च और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ पहुंचाने के लिए छोटेडोंगर में आईटीआई और नवीन स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने की मंजूरी दी। इसके साथ ही उन्होंने हॉस्पिटल, सड़क, सिंचाई, सामाजिक भवन जैसे कई विकास कार्यों के लिए स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने अधिकारियों को तेंदूपत्ता खरीदी के नगद भुगतान के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात के दौरान तारागांव में लघु उद्वहन सिंचाई योजना, बड़े जम्हरी शासकीय हाई स्कूल का हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन, कन्हारगांव शासकीय माध्यमिक शाला का हाईस्कूल में उन्नयन, छोटेडोंगर में 32 गढ़ हल्बा समाज, 84 परगना गोंड़वाना समाज, मरार समाज, यादव समाज हेतु सामाजिक भवन निर्माण, चांदागांव से सोनापाल होते हुए पानी गांव तक करीब 5 किमी सड़क का डामरीकरण, ग्राम बडगांव से दुरबेड़ा-ताड़ोनार होते हुए नारायणपुर जिला मुख्यालय तक 15 किलो मीटर सड़क निर्माण, कन्हारगांव, कोहकामेटा, सोनपुर, गढ़बेंगाल एवं कुकड़ाझोर में कुल 5 नवीन धान खरीदी केन्द्र, दंतेश्वरी मंदिर में अतिरिक्त कक्ष और उन्नयन कार्य की घोषणा की। इसके साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करते हुए मुख्यमंत्री ने छोटेडोंगर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और नारायणपुर में 50 बिस्तर के मातृ-शिशु हास्पिटल खोलने की घोषणा की। इस अवसर पर उद्योग मंत्री कवासी लखमा, लोकसभा सांसद दीपक बैज, छत्तीसगढ़ राज्य हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष चंदन कश्यप, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी भी उपस्थित थे।

कृषि तकनीकी से जुड़े स्टार्टअप भारतीय अर्थव्यवस्था के भविष्य के लिए बेहद जरूरी हैं : जितेन्द्र सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली(पीआईबी)। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), केन्द्रीय पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय और कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय में राज्यमंत्री डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने कहा कि कृषि तकनीकी से जुड़े स्टार्टअप्स भारत की अर्थव्यवस्था के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। मैसूरू में कृषि तकनीकी और खाद्य तकनीकी विषय पर आयोजित सम्मेलन सह-प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा भारतीय कृषि के समक्ष उत्पन्न- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, पुराने पड़ चुके उपकरणों के इस्तेमाल, अनुचित संरचना और किसानों की विभिन्न बाजारों का आकलन करने में अक्षमता- जैसी कठिनाइयों को दूर करने के लिए नीतिगत माहौल प्रदान किए जाने की वजह से पिछले कुछ वर्षों में भारत में कृषि तकनीकी स्टार्टअप्स की एक नई लहर आई है।

मंत्री जी ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि युवा उद्यमी अब आईटी सेक्टर और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की अपनी नौकरियां छोड़कर अपने खुद के स्टार्टअप स्थापित कर रहे हैं। इन युवा उद्यमियों ने अब इस तथ्य को महसूस करना शुरू कर दिया है कि कृषि में निवेश करना बहुत सुरक्षित और लाभकारी व्यापारों में से एक है। डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने कहा, कृषि तकनीकी से जुड़े स्टार्टअप समूची कृषि मूल्य श्रृंखला के समक्ष उत्पन्न विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए अभिनव विचार और किफायती समाधान सुझा रहे हैं। इन स्टार्टअप्स में इतनी सामर्थ्य है कि वे भारतीय कृषि क्षेत्र के परिदृश्य को बदल सकते हैं और अंततः किसानों की आय में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्टार्टअप्स और नवोदित उद्यमी किसानों, कृषि सामग्री के डीलरों, थोक विक्रेताओं, फुटकर विक्रताओं और उपभोक्ताओं को एक-दूसरे से जोड़कर उनके लिए सशक्त बाजार संपर्क और समय पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्रदान करने वाली बीच की कड़ियां बन गए हैं।

डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने कहा, 'भारत की खाद्य तकनीकी, कृषि तकनीकी और कृषि अर्थव्यवस्था परिदृश्य को परिवर्तित करने' की थीम पर आधारित 'टेक भारत' का तीसरा संस्करण एक बहुत ही सामयिक कार्यक्रम है, क्योंकि कृषि, भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक स्तंभ है, यहां की 54 प्रतिशत आबादी कृषि पर सीधे निर्भर है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में इसका हिस्सा करीब 19 (21) प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि हालांकि भारत में कृषि की पिछले कुछ वर्षों में सतत प्रगति हुई है लेकिन इस क्षेत्र में युवा, ताजा और अभिनव विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ ज्यादा नहीं किया गया।

डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने कृषि क्षेत्र में आधुनिक नवीन प्रौद्योगिकी के उपयोग की वकालत की और बताया कि इस्राइल, चीन और अमरीका जैसे देशों ने अपने यहां नई प्रौद्योगिकी की मदद से खेती करने के तरीकों में बड़ा परिवर्तन किया है। उन्होंने कहा कि इन देशों ने दिखा दिया है कि प्रौद्योगिकी का वर्गीकरण जैसे हाइब्रिड बीज, सटीक खेती (प्रेसीशन फार्मिंग), डाटा के बड़े पैमाने पर विश्लेषण (बिग डाटा एनालिटिक्स), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), जीओ टैगिंग और सेटेलाइट मॉनेटरिंग, मोबाइल ऐप और कृषि प्रबंधन सॉफ्टवेयर को खेती की पूरी प्रक्रिया में विभिन्न स्तरों पर लागू कर उपज और कृषि से होने वाली आय को बढ़ाया जा सकता है।

डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष फरवरी में कृषि क्षेत्र के लिए देश भर में भारत में निर्मित 100 'कृषि ड्रोन' की शुरुआत की। ये 'कृषि ड्रोन' अपनी अनूठी समकालिक उड़ानों से खेती की प्रक्रिया में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि फसल के आकलन, भू-रिकॉर्डों के डिजिटाइजेशन और कीटनाशकों और पोषक तत्वों के छिड़काव के लिए 'किसान ड्रोन्स' के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाएगा। सिंह ने कहा कि ड्रोन्स का इस्तेमाल फसल या अन्य प्रकार के पेड़-पौधों के स्वास्थ्य की जांच के लिए, खर-पतवार (चरस), संक्रमण और कीटों आदि से ग्रस्त खेतों की जांच तथा किसी खेत में रासायनिक उरवर्कों की सटीक जरूरतों का पता लगाने और इस तरह किसान की कुल लागत को कम करने के लिए किया जा सकता है।

वन मंत्री अकबर ने ग्राम मजगांव और पचराही में 15 लाख रुपए की सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। प्रदेश के वन, परिवहन, आवास, पर्यावरण, विधि विधायी तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री व कवर्धा विधायक श्री मोहम्मद अकबर ने विकासखंड बोड़ला के ग्राम मजगांव में 10 लाख रूपए की लागत से तहसील साहू संघ के सामुदायिक भवन निर्माण कार्य और ग्राम पचराही में 5 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया।

मंत्री श्री अकबर ने तहसील साहू संघ बोड़ला और पचराही के सामुदायिक भवन निर्माण की भूमिपूजन की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण होने से सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने में सहूलियत होगी। वही ग्राम पचराही में सामुदायिक भवन निर्माण होने से नागरिकों को सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सामाजिक उत्थान के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। शासन सभी कार्यों के सहयोग के लिए हमेशा तैयार है। इस अवसर पर कन्हैया अग्रवाल, कलीम खान, होरी साहू, जिला पंचायत सदस्य मुखीराम मरकाम, पार्षद अशोक सिंह, चोवराम साहू, गोरे चंद्रवंशी, भगवंता साहू, आत्मा साहू, समलाल साहू, पारस साहू, चिंताराम साहू, मोहन साहू, रामअधीन साहू, लेखचंद साहू, राजेश साहू, दुखीलाल साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

अपराधिक घटनाओं पर लगाया जा सके अंकुश

मार्केट एवं दुकानों की सुरक्षा के लिए व्यापारी लगाएंगे सीसीटीवी कैमरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई शहर में व्यापारियों के साथ हो रहे धोखाधड़ी सहित अन्य अपराधों पर रोक लगाने संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए छग चेम्बर ऑफकॉमर्स के प्रतिनिधिमण्डल और पुलिस प्रशासन की बैठक आज सेक्टर -6 पुलिस कंट्रोल रूम में सम्पन्न हुई।

चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन एवं भिलाई इकाई अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र के नेतृत्व में चेम्बर के जोन प्रभारी एवं विभिन्न बाजारों के पदाधिकारी इस बैठक में शामिल हुए। जिसमें एएसपी संजय ध्रुव के दिशा-निर्देश पर डीएसपी क्राइम नसर सिद्दीकी, सायबर सेल प्रभारी एवं भिलाई थाना प्रभारी राजेश कुमार साहू ने व्यापारियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

बैठक में डीएसपी नसर सिद्दीकी ने व्यापारियों के साथ लूटपाट,धोखाधडी, साईबर क्राइम, दुकान से घर लौटते वक्त छीनाझपटी, मार्केट में चोरी आदि अपराधिक घटनाओं की रोकथाम अथवा बचाव के टिप्स दिये। इस संबंध में चर्चा करते हुए उन्होंने अलग अलग प्रकार के टिप्स बताए जिससे व्यापारियों कोअधिक से अधिक सुरक्षा मिल सके। साथ ही व्यापारी सुरक्षित एवं निर्भय होकर व्यापार कर सके। इस दौरान व्यापारियों से अपील की गई है कि वे अपने दुकानों में सीसीटीवी कैमरा एवं दुकानों के बाहर भी इन कैमरों को संचालित करे ताकि अधिक से अधिक सुरक्षा मार्केट को मिल सकें। बैठक में सायबर सेल प्रभारी द्वारा सभी व्यापारियों के लिए सायबर क्राइम से बचने के लिए कार्यशाला का आयोजन करने की बात कही गई।

कलेक्टर ने एसईसीएल के कोयला खदानों का किया आकस्मिक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा । कलेक्टर रानू साहू ने आज एसईसीएल क्षेत्र गेवरा और दीपका के कोयला खदानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। कलेक्टर साहू ने पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल की मौजूदगी में कोयला खदानों में कोयला चोरी की शिकायत और कोयला चोरी के संबंध में वायरल विडियो के जांच के संदर्भ में कोयला खदानो का निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने एसईसीएल और सीआईएसएफ के अधिकारियों से खदानों में होने वाले अवैध कोयला चोरी और अवैध प्रवेश-निकास द्वारो के बारे में जानकारी ली। उन्होने खदान क्षेत्र के अंतर्गत नरईबोध, भठोरा, रलिया और अमगांव में जाकर विभिन्न एन्ट्री और एग्जिट पॉइन्टस का अवलोकन किया। इन क्षेत्रों में कोयला चोरी रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और घेराबंदी नही पाया। प्राथमिक तौर पर यह एसईसीएल और सीआईएसएफकी लापरवाही है। सुरक्षा व्यवस्था और ट्रेंचिंग नही पाये जाने पर कलेक्टर साहू ने एसईसीएल और सीआईएसएफ के अधिकारियों पर गहरी नाराजगी जताई। कलेक्टर साहू ने मौके पर ही जेसीबी के माध्यम से अवैध रास्तो पर ट्रेंचिंग करवाने के निर्देश दिये। कलेक्टर की मौजूदगी मे ही ट्रेंचिंग का काम शुरू किया गया। कलेक्टर साहू ने अवैध कोयला उत्खनन और चोरी रोकने के लिए चिन्हाकिंत जगहों पर चेक पोस्ट बनाकर एसआई रैंक के अधिकारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश सीआईएसएफ के अधिकारियों को दिये। साथ ही ऐसे जगहो पर सीसीटीवी कैमरा लगाकर निगरानी करने के निर्देश दिये। इस दौरान एसईसीएल, सीआईएसएफ, खनिज विभाग के अधिकारीगण तथा एसडीएम कटघोरा कौशल प्रसाद तेंदुलकर मौजूद रहे।

पीईटी एवं पीपीएचटी प्रवेश परीक्षा कल

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा 22 मई रविवार को पीईटी एवं पीपीएचटी प्रवेश परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जायेगी। प्रथम पाली में पीईटी प्रवेश परीक्षा पूर्वान्ह 9 से 12.15 बजे तक एवं द्वितीय पाली में पी.पी.एच.टी. प्रवेश परीक्षा अपरान्ह 2 से 5.15 बजे तक आयोजित होगी। व्यापम को प्राप्त आनलाइन आवेदन के अनुसार गरियाबंद जिला में पी.ई.टी.परीक्षा में 220 एवं पी.पी.एच.टी. परीक्षा में 412 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। जिले में शासकीय वीर सुरेन्द्र साय महाविद्यालय गरियाबंद को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। है। प्रवेश पत्र इंटरनेट के माध्यम से व्यापम के वेबसाईट से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है। परीक्षार्थियों को अपने साथ मूल पहचान पत्र, जिससे उनका पहचान किया जा सके, जैसे- वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड, ई-आधार कार्ड, पेन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस की मूल प्रति के साथ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा जारी किया गया।

अरिहंत इंटेरियर्स
वॉलपेपर, वुडन फ्लोरिंग, पीवीसी फ्लोरिंग विंडोव ब्लाइंड्स, एक्रीलिक रेलिंग, आर्टिफिसियल ग्रास, पीवीसी पैनल, ग्लास फिल्म
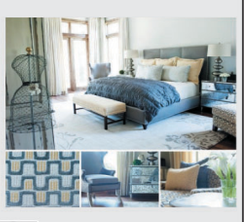
शॉप नं.-23, नेहरू रोड, सुपेला, भिलाई, 9584400900

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing
Printer
Desktop
7/2, Dakshin Gangotri,
Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7
Dakshin gangotri, Supela, Bhilai
Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI,
Oppo, Vivo, Nokia, HTC,
Blue tooth Charger,
Power Bank, Ear Phone,
BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट,
फ्राक, फैंसी सलवार सूट
एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स,
गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh
Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

डायग्नोस्टिक सेंटर के पांच लाख रुपये लेकर फरार सुपरवाइजर गिरफ्तार

रायपुर। शहर के न्यू शांति नगर स्थित माइक्रोपैथ डायग्नोस्टिक सेंटर के पांच लाख रुपये वसूलकर फरार सुपरवाइजर को सिविल लाइन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ अमानत में खयानत का केस दर्ज किया गया है। सिविल लाइन पुलिस थाना प्रभारी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि सेंटर के प्रशासक डॉ. विजय खुराना ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वर्ष 2019 से मार्च 2022 के बीच चार लाख 83 हजार रुपये की हेराफेरी कर सुपरवाइजर सुरेंद्र निराला फरार हो चुका है। सुरेंद्र को शहर के अस्पताल, क्लीनिक, पैथोलाजी के बिल कलेक्शन के काम में लगाया गया था। उसने सभी जगहों से पैसे तो वसूल किया, लेकिन संस्थान में जमा नहीं कराया। जांच करने पर पाया गया कि सुरेंद्र ने शर्मा पैथोलाजी कवर्धा से 59,100 रुपये, श्रीराम इमेजिंग रायपुर से तीन लाख 13 हजार 477 रुपये, डीके मिश्रा से एक लाख 10 हजार 655 रुपये वसूले और लेखापाल के पास जानकारी दर्ज कराये बगैर अपने पास रख लिए।

छत्तीसगढ़ में भीषण सड़क हादसा, 4 की मौत

हाइवा की टक्कर से पांच फीट ऊपर उछला ऑटो, कटर से काटकर निकाला ड्राइवर को

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में शुक्रवार रात भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें ऑटो सवार चार लोगों की मौत हो गई। दरअसल, मालवाहक ऑटो में चालक समेत चार लोग सवार थे। तभी उन्हें तेज रफ्तार हाइवा ने टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था ऑटो पांच फीट ऊपर उछल गया और उसके परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार तीन लोग उछल कर रोड पर गिर गए, जबकि चालक ऑटो में फंस गया था। कटर से काटकर उसे बाहर निकाला गया। उसे गंभीर हालत में अस्पताल भी ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। हादसा तखतपुर थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के अनुसार, घटना तखतपुर क्षेत्र के मोछ मोड़ के पास की है। बताया जा रहा है कि जरहागांव थाना क्षेत्र के फरहदा निवासी महेश कुमार साहू मालवाहक ऑटो चलाता था। शुक्रवार को वह मालवाहक ऑटो को लेकर बिलासपुर आया था। यहां से रात करीब 11 बजे वापस अपने गांव लौट रहा था। उसके ऑटो में तीन और लोग सवार थे। अभी उसकी ऑटो तखतपुर के मोछ मोड़ के पास पहुंची था, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार हाइवा ने सामने से टक्कर मार दी।

हाइवा की रफ्तार काफी तेज थी। इसके चलते चालक सामने आ रहे ऑटो को देख नहीं पाया और सामने से टक्कर मार दिया। हाइवा की टक्कर के बाद ऑटो उछल कर बुरी तरह से चिपट गया और चालक सामने सीट में फंस गया। उसमें सवार दो लोग उछलकर सड़क से दूर जा गिरे। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

हाइवा के पहिए के बीच पड़ा था शव

इस हादसे के बाद एक युवक ऑटो से उछलकर हाइवा के सामने आ गया, उसकी लाश हाइवा के पहिए के नीचे पड़ी थी। पुलिस ने शव को उठवाकर अस्पताल भेज दिया है।

गैस कटर से काटकर निकाला गया चालक

टीआई मोहन भारद्वाज ने बताया कि हादसे की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। सड़क किनारे पड़े तीन लोगों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। इस दौरान गंभीर रूप से घायल चालक ऑटो के सामने सीट में फंसा हुआ था। उसे कड़ी मशक्कत कर गैस कटर से काटकर बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि ऑटो के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर चालक की पहचान जरहागांव क्षेत्र के फरहदा निवासी महेश साहू के रूप में हुई है। जबकि, अन्य मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है।

बाल विकास परियोजना अधिकारी निलंबित

अपचारी बालकों ने बाल संप्रेषण गृह में की थी तोड़फोड़ और गाली गलौज

भिलाई। अवर सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग छत्तीसगढ़ शासन विजया खेस्स ने दुर्ग जिले के बाल विकास परियोजना अधिकारी विजय प्रभात सरल को सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग की अनुशंसा पर की गई है। बताया जा रहा है कि राज्य शासन के स्थानांतरण आदेश की अवहेलना करते हुए 21 अप्रैल 2022 को सरल ने जॉइन नहीं किया था। इसी दौरान दुर्ग में संचालित बाल संप्रेषण गृह में बाल अपराधियों के द्वारा तोड़फोड़ और अधिकारियों से गाली गलौज की गई। इसके चलते उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

जानकारी के मुताबिक, राज्य शासन ने बाल विकास परियोजना अधिकारी विजय प्रभात सरल को शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह दुर्ग के अधीक्षक का अतरिक्त प्रभार सौंपा गया था। शासन के आदेश पर विजय को 21 अप्रैल 2022 को दुर्ग जाकर अपना पदभार गृहण करना था, लेकिन उन्होंने जॉइनिंग नहीं दी। इसी दौरान दुर्ग पुलगांव स्थित बाल सम्प्रेषण गृह पुलगांव में रह रहे बाल अपराधियों ने वहां के परीविक्षा अधिकारी से जमकर गाली गलौज की। यहां रह रहे चार अपराधियों ने उत्पात मचाते हुए संप्रेक्षण गृह में रहे रहे दूसरे किशरों से गाली गलौज की और वहां का टी.वी, कूलर, दरवाजा, खिड़की, लाइट, बिजली बोर्ड, पंखा आदि में तोड़फोड़ की।

ऐसा करते हुए उन्होंने शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। बाल सम्प्रेषण के परीविक्षा अधिकारी की शिकायत पर पुलगांव पुलिस ने 4 किशोरों के खिलाफ धारा 186,294, 506, 34 के तहत मामला दर्ज किया है।

अस्पताल से गायब मरीज का मिला शवः जिला अस्पताल से एक दिन पहले लापता हो गया था हार्ट पेशेंट, मौत का कारण स्पष्ट नहीं

जांजगीर-चांपा (ए)। जांजगीर-चांपा में जिला अस्पताल से एक दिन पहले लापता हुए अधेड़ का शव नहर के पास पड़ा मिला। अधेड़ हार्ट पेशेंट था और उसे चार दिन पहले ही अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल से गायब होने के बाद उसका कुछ पता नहीं चल रहा था। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी तक उसकी मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बलौदा के बुची हरदी निवासी हुकुम रात्रे (57) को हार्ट संबंधी समस्या के चलते 17 मई को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में अटेंडर के तौर पर उसकी पत्नी सावित्री बाई मौजूद रहती थी। तीन दिन उपचार के बाद 19 मई की सुबह करीब 11 बजे हुकुम रात्रे अचानक अस्पताल से गायब हो गया। इसके बाद परिजनों, अस्पताल स्टाफ और सिक्योरिटी गार्ड ने उसे काफी तलाश किया, पर पता नहीं चला। इस बीच शहर की हसदेव विहार कॉलोनी के सामने पिलारी नहर के बगल में सुबह अधेड़ का शव पड़ा मिला। आसपास के लोगों ने देखा तो डायल-112 को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त कराई। इससे पता चला कि शव हुकुम रात्रे का था। शव देखकर लग रहा था कि उसकी मौत लापता होने के दिन ही हो गई थी। पुलिस का कहना है कि शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद ही मौत का कारण सामने आ पाएगा।

परिजनों ने बताया कि हुकुम रात्रे गांव में खेती किसानी करता था। परिवार में सब कुछ बढ़िया चल रहा था इस बीच करीब 6 साल पहले उसके दो बेटों की अचानक मौत हो गई। इसके कारण वह शराब का आदी हो गया था। परिजनों के मुताबिक हुकुम रात्रे के बड़े बेटे जय प्रकाश की मौत एनटीपीसी सीपत में दुर्घटना में हुई थी। वहीं छोटे बेटा हेमंत कुमार कैंसर चलते मर गया।

धमतरी में हादसा, मेयर के भांजे की मौतः सड़क किनारे बाइक खड़ी कर बैठा था, हाइवा कुचलते हुए निकल गई, आधे घंटे पड़ा रहा शव

धमतरी (ए)। धमतरी में शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में मेयर के भांजे की मौत हो गई। वह बाइक से अपने ससुराल जा रहा था। इस दौरान नेशनल हाईवे-30 पर बाइक किनारे खड़ी कर उसी पर बैठ गया। तभी रेत से भरी तेज रफ्तार हाइवा आई और उसे कुचलते हुए निकल गई। हादसे के बाद करीब आधे घंटे तक शव वहीं पड़ा रहा। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हादसा बिरेझर चौकी क्षेत्र में हुआ।

जानकारी के मुताबिक, धमतरी के हटकेश्वर वार्ड निवासी आशुतोष देवांगन (38) पुत्र देवीप्रसाद देवांगन शुक्रवार को अपनी ससुराल अभनपुर जाने के लिए बाइक पर निकला था। इस दौरान वह एनएच-30 पर बिरेझर से जीजामगांव मोड़ के बीच गर्मी के चलते रुक गया और सड़क किनारे बाइक खड़ी कर उसी पर बैठा था। इसी दौरान रेत से भरी हाइवा ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे आशुतोष सड़क पर गिरा और हाइवा उसे कुचलते हुए निकल गई।

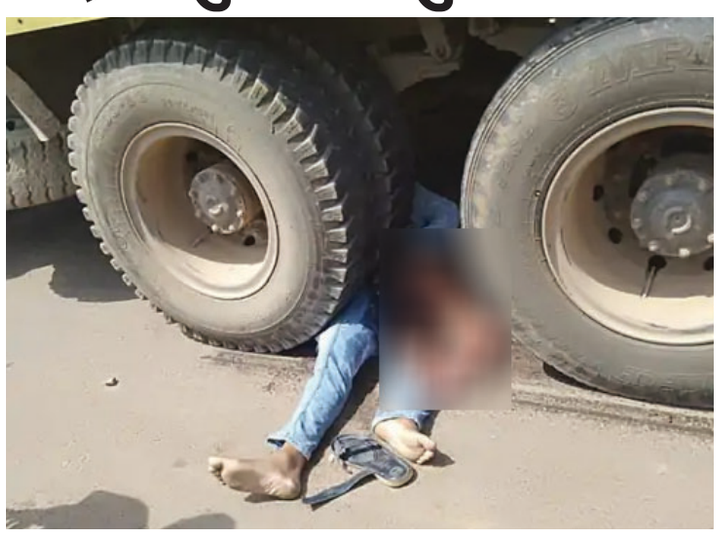

वाहन मिला तो शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका

हाईवे पर हादसा होते देख ग्रामीण एकत्र हुए तो चालक हाइवा छोड़कर भाग निकला। लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद कोई वाहन नहीं मिलने के कारण शव आध घंटा सड़क पर ही पड़ा रहा। उसकी शिनाख्त भी नहीं हो पा रही थी। वाहन मिला तो शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। फिर बाइक नंबर के आधार पर उसकी पहचान हुई तो परिजनों को सूचना दी गई। पता चला कि युवक धमतरी के मेयर विजय देवांगन का भांजा था।

सुबह से रात तक तेज रफ्तार में दौड़ती है हाइवा

ग्रामीणों ने बताया कि रोज सुबह से रात तक रेत से भरी हाइवा बिरेझर से जीजामगांव, मडेली, कचना होते हुए दुर्ग-भिलाई जाती है। हाइवा की रफ्तार काफी तेज रहती है। इसे लेकर कई बाद चालकों को समझाया गया, पर वे नहीं मानते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग घनी आबादी वाला है। गलियों में बच्चे-बुजुर्ग चलते रहते हैं। ओवरलोड रेत से भरे हाइवा को त्रिपाल से भी नहीं ढंका जाता है। इससे राहगीर में अक्सर हादसे का शिकार हो जाते हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग दुर्ग

निविदा आमंत्रण सूचना

ज्ञाप क्र. 4101/नि.प्र.क्र.-05/लो.नि.वि./2022-23 दुर्ग, दिनांक 18.05.2022

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य का विद्युतीकरण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	: 27.05.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि	: 08.06.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	: 09.06.2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि में अवकाश हो या अधोहस्ताक्षरकर्ता शासकीय दौरे पर हो तो निविदा आगामी कार्य दिवस में खोली जावेगी.

स.क्र./ निविदा क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1 2	3	
(1) T0086	11KV Line work at Newai Feeder to Rai Traders, Distt. Durg (Part-I)	14.61 Lacs
(2) T0087	11KV Line work at Newai Feeder to Rai Traders, Distt. Durg (Part-II)	12.05 Lacs
(3) T0088	LT Line work at Newai Feeder to Rai Traders, Distt. Durg.	8.83 Lacs
(4) T0089	11KV/ 33KV DP work at Pisegaon to Thakurthela Road, Distt. Durg.	4.65 Lacs
(5) T0090	11KV/33KV Transformer work at Pisegaon to Thakur thela Road, Distt. Durg.	12.96 Lacs
(6) T0091	11KV DP work at Pisegaon to Thakurthela Road, Distt. Durg.	2.13 Lacs
(7) T0092	11 KV Line work at Pisegaon to Thakurthela Road, Distt. Durg.	19.99 Lacs
(8) T0093	LT Line work at Pisegaon to Thakurthela Road, Distt. Durg.	12.32 Lacs
(9) T0094	33KV Line work at Pisegaon to Thakurthela Road, Distt. Durg (Part-I)	13.82 Lacs
(10) T0095	33KV Line work at Pisegaon to Thakurthela Road, Distt. Durg (Part-II)	13.83 Lacs
(11) T0096	11KV / 33KV work at Bharda to Achhoti, Distt. Durg.	10.00 Lacs
(12) T0097	11KV / 33KV work at Achhoti to Chingri, Distt. Durg.	10.00 Lacs
(13) T0098	11KV / 33KV work at Chingri to Anda, Distt. Durg.	11.55 Lacs
(14) T0099	11KV / 33KV work at Anda to Vinayakpur, Distt. Durg.	14.00 Lacs
(15) T0100	33KV / 11KV / LT & Electrification work under Distt. Durg.	19.50 Lacs
(16) T0101	11KV / 33KV work at Vinayakpur to Chingri, Distt. Durg.	14.00 Lacs
(17) T0102	33KV / 11KV / LT & Electrification work under Distt. Rajnandgaon.	19.80 Lacs
(18) T0103	11KV / 33KV work at Chingri to Aamti, Distt. Durg.	14.00 Lacs
(19) T0104	33KV / 11KV / LT & Electrification work under Distt. Balod.	18.40 Lacs
(20) T0105	33KV / 11KV / LT & Electrification work under Distt. Bemetara.	19.25 Lacs
(21) T0106	33KV / 11KV / LT & Electrification work under Division Rajnandgaon	19.60 Lacs

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अन्तर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है. निविदा संबंधी अन्य शर्तें का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है.

टीपः-
(1) The Tender forms will be issued only to the contractors having "A" class valid license from chief Electrical Inspector of C.G. Govt. and unified Registration system of C.G. Govt.
(2) आबंटन प्राप्त होने पर ही देयक का भुगतान किया जावेगा.

जी-91329/5

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग दुर्ग

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875, 99938-08453, 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी वियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

न्याय के वादे पर कायम

छत्तीसगढ़

पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न

श्री राजीव गांधी

के शहादत दिवस

21 मई पर

राजीव गांधी किसान न्याय योजना

22.87 लाख किसानों को

खरीफ वर्ष 2021-22 की पहली किस्त

1720.11 करोड़ रुपए

का भुगतान

योजना के प्रारंभ 21 मई 2020 से 21 मई 2022 तक

12,900.21 करोड़ रुपए

की आदान सहायता राशि जारी

खुशहाल किसान, बढ़ा खेती का रकबा, बढ़ी पैदावार

गोधन न्याय योजना

गौठान समितियों व

महिला स्व सहायता समूहों को

11.14 करोड़ रुपए

गोबर संग्राहकों को

2.17 करोड़ रुपए

का भुगतान

गोधन न्याय योजना की उपलब्धि (30.4.2022 तक)	
स्वीकृत गौठान	10,622
पंजीकृत पशुपालक	3,10,073
लाभांवित पशुपालक	2,11,540
कुल गोबर खरीदी	70.36 लाख क्विं.
कुल गोबर क्रय राशि	140.71 करोड़ रुपए

अब तक पशुपालकों, गौठान समितियों व महिला स्व-सहायता समूहों को **250 करोड़ रुपए** की राशि जारी

गोबर से गोधन, बदली ग्रामीण अर्थव्यवस्था

राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना

3.55 लाख भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में

71.08 करोड़ रुपए की राशि का अंतरण

प्रति हितग्राही 7,000 रुपए सालाना की आर्थिक सहायता

न्याय से आर्थिक सशक्तिकरण

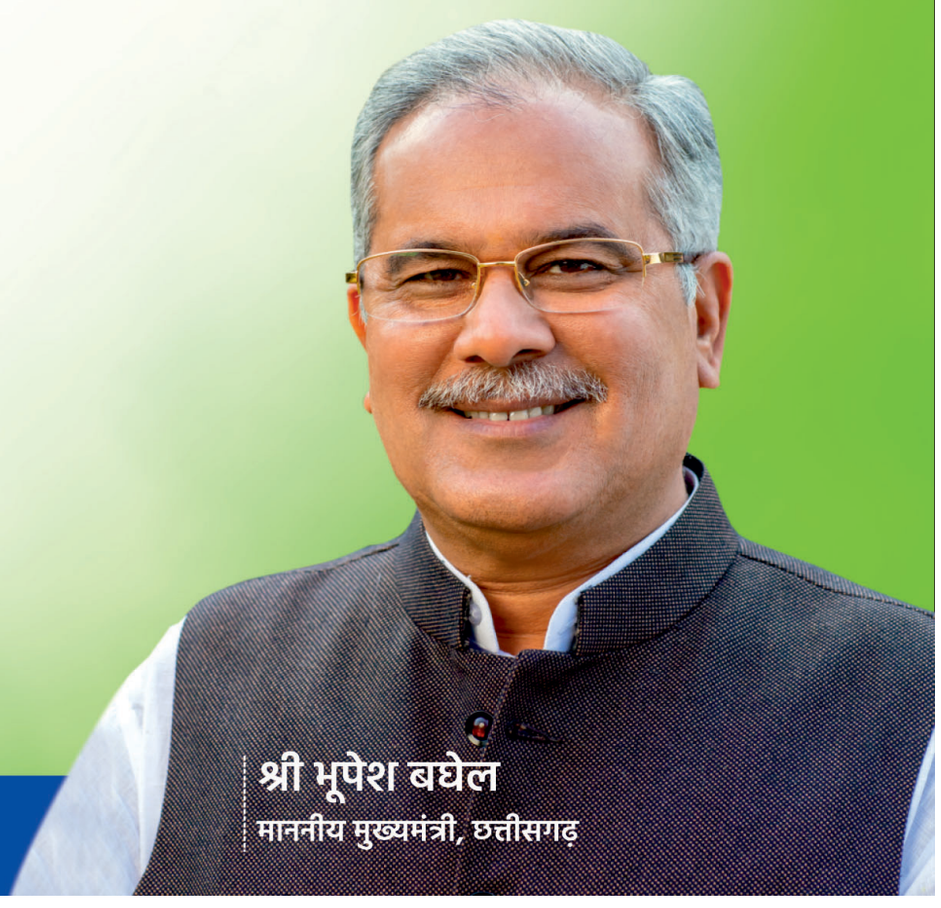

श्री भूपेश बघेल

माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सेवा-जतन-सरोकार, छत्तीसगढ़ सरकार

RO-32556/59

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950